मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 45 | अंक : 216 | शुक्रवार 21 नवंबर 2025 | 3 रुपए | पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

स्थानीय निकाय चुनावों पर लटकी तलवार !

सभी की निगाहें सुप्रीम कोर्ट की 25 नवंबर की सुनवाई पर

राज्य सरकार के समय बढ़ाने की मांग के कारण फैसले में देरी

मुंबई. स्थानीय निकाय चुनावों में 50 परसेंट रिज़र्वेशन लिमिट बढ़ाने पर तलवार लटकी हुई है। इसी बैकग्राउंड में, सुप्रीम कोर्ट ने लोकल बॉडी चुनावों में OBC रिज़र्वेशन को लेकर सुनवाई टाल दी है। सुनवाई मंगलवार (25 नवंबर) को होगी। इस बीच, राज्य में पहले घोषित किए गए म्युनिसिपल काउंसिल और नगर पंचायत चुनावों की प्रक्रिया पहले की तरह जारी रहेगी। हालांकि, इस बीच, आयोग या राज्य सरकार दूसरे चुनावों की घोषणा या चुनावों के संबंध में कोई और नई घोषणा नहीं कर पाएगी। महाराष्ट्र में याचिकाएं दायर की गई हैं जिनमें आरोप लगाया गया है कि लोकल बॉडी चुनावों में रिज़र्वेशन लागू करने में 50 परसेंट की लिमिट पार की गई है। इस मामले की सुनवाई बुधवार को हुई थी। कुछ मुद्दों पर और क्लैरिटी की ज़रूरत होने के कारण सुनवाई मंगलवार तक के लिए टाल दी गई है।

बुधवार की सुनवाई में क्या हुआ?

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने साफ किया कि यह मामला सीधे चुनाव प्रक्रिया से जुड़ा है, इसलिए सभी तथ्यों को ध्यान में रखकर फैसला लेना होगा। याचिका में अभी भी आरोप है कि कुछ जगहों पर 50 फीसदी से ज्यादा आरक्षण लागू किया गया है और कोर्ट इसे गंभीरता से देख रहा है। राज्य सरकार ने कोर्ट को बताया कि नगर निगम और जिला परिषदों व पंचायत समिति के चुनावों की घोषणा अभी नहीं हुई है।

इससे पहले 17 नवंबर को हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया था कि 50 फीसदी की सीमा पार नहीं की जा सकती। साथ ही राज्य चुनाव आयोग और राज्य सरकार को कोर्ट की शक्तियों का परीक्षण न करने की चेतावनी देते हुए कहा था कि राज्य सरकार और राज्य चुनाव आयोग को कोर्ट की शक्तियों का परीक्षण नहीं करना चाहिए। 6 मई 2025 के आदेश को तोड़-मरोड़ कर सीमा पार नहीं की जा सकती।

के. कृष्णमूर्ति की संविधान पीठ के आदेश का उल्लंघन नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने यह भी कहा था कि राज्य सरकार और राज्य चुनाव आयोग इस संबंध में दो दिन के अंदर अपनी स्थिति स्पष्ट करें। इसी के तहत बुधवार को सुनवाई हुई; लेकिन, चूंकि राज्य ने फिर से समय मांगा है, इसलिए सुनवाई अब अगली तारीख यानी मंगलवार, 25 नवंबर को होगी।

नासिक में 72 फीसदी रिज़र्वेशन

17 ज़िला परिषदों में 50% से ज़्यादा आरक्षण

- स्थानीय स्वराज्य संस्था में OBC के लिए सरसकट रिज़र्वेशन लागू होने से राज्य की 17 ज़िला परिषदों में रिज़र्वेशन की 50 परसेंट लिमिट पार हो गई है। इसमें नासिक ज़िला परिषद भी शामिल है। देखा गया है कि नासिक ज़िला परिषद में रिज़र्वेशन 72 परसेंट तक पहुँच गया है।
- 6 मई, 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने साफ़ किया कि चुनाव बांठिया कमीशन के सामने दिए गए OBC रिज़र्वेशन के हिसाब से ही होने चाहिए। इसका मतलब है कि स्टेट इलेक्शन कमीशन और राज्य सरकार ने इसे कोर्ट से OBC को 27 परसेंट रिज़र्वेशन देने की हरी झंडी मान ली है। इसलिए, OBC को 27 परसेंट रिज़र्वेशन देकर चुनाव प्रोसेस को आगे बढ़ाया गया।
- इस पर कोर्ट में कुछ एप्लीकेशन फाइल की गईं, जिनमें कोर्ट के पुराने निर्देशों का हवाला दिया गया। इनमें विकास गवली की फाइल की गई पिटीशन में दावा किया गया है कि कुछ लोकल बॉडीज़ में रिज़र्वेशन रेश्यो को 50 परसेंट की कॉन्स्टिट्यूशनल लिमिट से ऊपर रखा गया है, जो कानून के खिलाफ है। हालांकि, राज्य सरकार का दावा है कि रिज़र्वेशन का स्ट्रक्चर सही तरीके से किया गया है।
- इस बीच, यह अंदाज़ा लगाया जा रहा है कि राज्य में कुछ जगहों पर रिज़र्वेशन लिमिट 50 परसेंट से ज़्यादा हो गई है। इनमें गढ़चिरौली, हिंगोली, वर्धा, चंद्रपुर, लातूर, अमरावती, बुलढाणा, यवतमाल, नांदेड़, नासिक ज़िले शामिल हैं।

अंबरनाथ नपा चुनाव में होगी परिवर्तन की लहर

- युवा व शिक्षित उम्मीदवार जनता की पसंद बने
- नगराध्यक्ष चुनाव के लिए चुनावी शोर शुरु
- प्रचार में भाग लेंगे दिग्गज

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ नपा में 2019 से प्रशासक राज चल रहा है और उसके 10 वर्षों तक शहर में शिवसेना की सत्ता रही है। लंबे अंतराल के बाद आखिरकार अंबरनाथ नपा में चुनाव होने जा रहा है। 2 दिसंबर को होने जा रहे हैं चुनाव के लिए जनता भी इस बार तैयार है और इस बार युवा व सुशिक्षित नगराध्यक्ष को अंबरनाथ की कमान सौंपने की तैयारी कर रही है। ऐसा सर्वे में बताया जा रहा है। अंबरनाथ नपा चुनाव में भारी फेरबदल व सत्ता परिवर्तन भी देखने को मिल सकता है क्योंकि भाजपा व शिवसेना आमने-सामने चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में शिवसेना दो गुटों में बटी होने का फायदा भाजपा को मिलेगा और इस बार भाजपा नगराध्यक्ष के साथ सत्ता

हासिल करने के लिए पूरा जोर लगा रही है।

ज्ञात हो कि अंबरनाथ नगरपरिषद के नगराध्यक्ष चुनाव के लिए इस बार BJP से चार्टर्ड अकाउंटेंट और सुशिक्षित उम्मीदवार तेजश्री विश्वजीत करंजुले शिवसेना से मैदान में हैं। साथ ही शिवसेना से पूर्व नगराध्यक्षा मनीषा वालेकर, NCP से सचिन पाटिल की पत्नी अश्विनी पाटिल साथ ही कांग्रेस के प्रदीप पाटिल की पत्नी नूतन पाटिल और शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी से अंजलि राउत भी मैदान में हैं। हालांकि यह मुकाबला भाजपा और शिवसेना के बीच ही देखने को मिल सकती है। शहर में चर्चा है कि चुनाव की असली जंग मनीषा वालेकर और तेजश्री करंजुले के बीच ही होगी। अंबरनाथ नपा में 1995 से भाजपा और शिवसेना का ही दबदबा रहा है। इस साल चुनाव बहुत कड़ा होगा क्योंकि गठबंधन की बातचीत नाकाम हो गई है। दूसरी ओर विधायक डॉ. बालाजी किणीकर भी मनीषा वालेकर को उम्मीदवार बनाए जाने से नाराज हैं। ऐसे में अभी भी सबका ध्यान किणीकर के रोल पर है। दूसरी ओर BJP ने गुलाबराव करंजुले पाटील की बहू तेजश्री को उम्मीदवार बनाया है। दोनों उम्मीदवारों के बीच ही टक्कर देखने को मिलेगी वहीं चुनाव में परिवर्तन की लहर के लिए भाजपा अभी से ही अपना पूरा जोर लगा रही है।

अंबरनाथ नपा का प्रभाग 15 सबसे पिछड़ा वार्ड

अंबरनाथ। अंबरनाथ नपा का चुनाव आगामी 2 दिसंबर को होने जा रहा है। ऐसे में चुनाव सर्वे के दौरान नपा के सबसे ज्यादा अविकास व पिछड़ा अगर कोई वार्ड बताया गया है तो वो है प्रभाग 15। यहां पर पिछले 20 वर्षों से विकास कार्य न होने के कारण वार्डवासी उपेक्षित हैं। यह परिसर मोरीवली गांव, न्यू कालोनी, नेताजी मार्केट परिसर है। इस परिसर भाजपा ने विकास कार्य को गति दिलाने के लिए युवा उम्मीदवार अभिजीत गुलाब करंजुले को मैदान में उतारा है। स्थानीय जनता को भी इस युवा

उम्मीदवार से उम्मीद है कि इस वार्ड का कायाकल्प करके इस पिछड़े वार्ड को विकसित वार्ड बनाए। इससे पूर्व जोशी परिवार के नेतृत्व ने इस वार्ड को अनदेखा किया जिसका खामियाजा स्थानीय जनता को भुगतना पड़ रहा है। ऐसे में अब अभिजीत करंजुले ने इस वार्ड में उतरकर लोगों के बीच जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। उन्हें जनता का सहयोग व भरपूर समर्थन भी मिल रहा है।

बदलापुर में 163 कैंडिडेट्स के नामांकन वैध, 52 अवैध

बदलापुर. कुलगांव-बदलापुर नगर परिषद के आम चुनाव के लिए 215 कैंडिडेट्स ने 230 नामांकन फाइल किए थे। कुलगांव-बदलापुर नगर परिषद प्रशासन के मुताबिक, इनमें से 163 एप्लीकेशन वैध और 52 एप्लीकेशन अवैध पाए गए।

कुलगांव-बदलापुर नगर परिषद के नगराध्यक्ष पद के लिए 5 एप्लीकेशन वैध पाए गए हैं। इनमें BJP-राष्ट्रवादी अलायंस की रुचिता घोरपड़े, शिंदे की शिवसेना की वीना म्हात्रे, महाविकास अघाड़ी की प्रिया गवली, आम आदमी पार्टी की आस्था मांजरेकर और इंडिपेंडेंट कैंडिडेट संगीता चेंडवणकर शामिल हैं।

कुलगांव-बदलापुर नगर परिषद का चुनाव कोरोना काल की वजह से यह पेंडिंग था। इसके अलावा, 2005 के बाद पहली बार नगर परिषद के नगराध्यक्ष का चुनाव सीधे जनता करेगी। इसलिए सभी राजनीतिक पार्टियों ने इस चुनाव को अहम बना दिया है। इस चुनाव में 24 वार्ड से 49 सदस्य चुने जाएंगे। इस बीच, उम्मीदवारी वापस लेने की आखिरी तारीख 22 तारीख तक है और तब तक कुछ उम्मीदवारों के नाम वापस लेने की संभावना है। इसलिए, तभी बदलापुर में मुकाबले की सही तस्वीर साफ हो पाएगी।

उल्हासनगर 4-5 में 6 घंटे बिजली रही गुल

- कंटेनर बिजली के खंभे से टकराया

उल्हासनगर. उल्हासनगर के कुछ इलाकों में बुधवार सुबह से बिजली गुल होने से सैकड़ों लोगों को परेशानी हुई। मंगलवार आधी रात को आनंदनगर में एक कंटेनर के बिजली के खंभे से ज़ोरदार टक्कर मारने के बाद पूरी लाइन असुरक्षित हो गई, इसलिए महावितरण को कई ज़रूरी फीडरों की बिजली तुरंत बंद करनी पड़ी। तकनीकी खराबी, सुरक्षा जागरूकता और ज़रूरी मरम्मत के बीच तालमेल बिठाने के बाद, महावितरण की टीम ने युद्ध स्तर पर काम किया और बुधवार शाम 4.30 बजे के बाद बिजली सप्लाई ठीक कर दी गई।

अंबरनाथ के आनंदनगर इलाके में मंगलवार आधी रात को हुए एक हादसे की वजह से बुधवार सुबह 11 बजे से उल्हासनगर सबडिवीजन-4 और 5 के कई फीडरों की बिजली सप्लाई पूरी तरह बंद कर दी गई थी। देर आधी रात को एक कंटेनर अचानक बेकाबू होकर सड़क किनारे बिजली के खंभे से टकरा गया। टक्कर इतनी ज़ोरदार थी कि खंभा बुरी तरह झुक गया और पूरी लाइन असुरक्षित हो गई। सुरक्षा की दृष्टि से कोई जोखिम न उठाने के लिए महावितरण ने सुबह से ही प्रभावित क्षेत्र में चरणबद्ध तरीके से बिजली की आपूर्ति बंद कर दी थी।

इनकमर जीपी-1 और जीपी-2 के अंतर्गत आने वाले सात महत्वपूर्ण फीडरों नेताजी, शोभराज, अशेलेपाड़ा-1, अशेलेपाड़ा-2, गेमनानी, ओटी और दूधनाका पर सुबह 11 बजे से लोड बंद कर दिया गया था। हादसे के बाद पहला कदम लाइन पर मौजूद खतरनाक स्थिति को दूर करना था। इसके लिए पूरी तरह से मुड़े हुए खंभे को हटाने और कंटेनर को एक तरफ करने की प्रक्रिया दोपहर 1:30 बजे तक पूरी कर ली गई थी, लेकिन चूंकि नया उच्च दाब वाला खंभा खड़ा करने, तारों को ठीक करने, लाइन की टेस्टिंग जैसी सभी प्रक्रियाओं में तकनीकी समय की आवश्यकता होती, इसलिए तुरंत बिजली आपूर्ति शुरू करना संभव नहीं था। अंत में महावितरण की तकनीकी टीमों ने युद्ध स्तर पर काम करना शुरू किया और शाम 4:30 बजे बिजली आपूर्ति बहाल कर दी।

अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बने आसेराम टाक

उल्हासनगर। उल्हासनगर शहर के मजदूर यूनियन के नेता व वरिष्ठ कांग्रेस नेता आसेराम टाक जो पिछले वर्षों से कांग्रेस व मजदूर यूनियन का कार्य कर रहे हैं उन्हें अखिल भारतीय

सफाई मजदूर कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोविंदभाई परमार ने की है। उनकी इस नियुक्ति से शहर में मजदूरों व वाल्मीकि समाज में खुशी का माहौल है। कई वर्षों से उन्होंने वाल्मीकि समाज के साथ साथ मजदूरों को हर तरह का न्याय दिलाने का प्रयास किया।

श्री टाक ने कहा कि वर्षों की मेहनत जो हमने की है वो भविष्य में भी जारी रहेगी। समाज व मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए कार्य करते रहेंगे।

अंबरनाथ मोरीवली की 13 कंपनियों को क्लोजर नोटिस

- मोरीवली MIDC की कंपनियों के जहरीले गैस से थे लोग परेशान

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम के मोरीवली एमआईडीसी की 13 प्रदूषणकारी कंपनियों को महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल

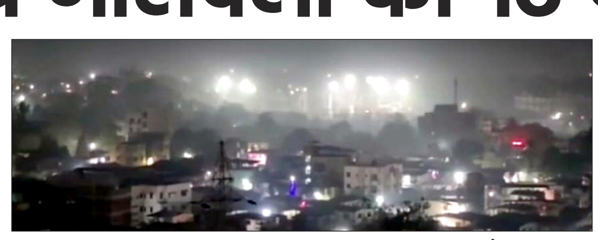

(एमपीसीबी) ने क्लोजर नोटिस जारी किया है. यहां पर ज्यादातर केमिकल कंपनियां हैं. इन कंपनियों से रोजाना जहरीला गैस छोड़ा जा रहा था. जिससे लोगों को सांस फूलने, आंखों में जलन, सर दर्द की शिकायत हो रही थी. कई बार इन कंपनियों के खिलाफ शिकायत करने के बाद भी एमपीसीबी के अधिकारी केवल जांच करके मामले को ठंडा कर रहे थे. कोई कार्रवाई नहीं होने से एवं रोजाना रात में गैस के छोड़े जाने से मोरीवली गांव के सैकड़ों निवासी बुवापाड़ा एवं शहर पूर्व में निसर्ग इमारत के निवासी बहुत ज्यादा परेशान थे. आखिर भाजपा के अभिजीत करंजुले ने निवेदन देकर शिकायत की और एमपीसीबी अधिकारियों को जांच करके कड़क कार्रवाई करने को कहा. जिसके बाद एमपीसीबी के अधिकारियों ने यहां की कंपनियों की रात में एवं दिन में जांच की. 13 कंपनियों को दोषी पाया गया, जिसमें एक बड़ी कंपनी का भी समावेश है. इन सबको क्लोजर नोटिस दिया गया है. क्लोजर नोटिस के कारण यहां की दर्जनों कंपनियों में हड़कम्प मच गया है. अंबरनाथवासियों को कहना है कि देखना है इस क्लोजर नोटिस पर कितना अमल किया जाता है. गैस से परेशान निवासियों को अब राहत मिलेगी, ऐसी उम्मीद की जा सकती है.

अंबरनाथ पुलिस ने गुंडों के हाथ बांधकर जुलूस निकाला

अंबरनाथ. अंबरनाथ पुलिस ने 6 आरोपी गुंडों को, जिन्होंने शहर में तलवार से मारकर एक को घायल किया था एवं कुछ वाहनों को भी तलवार से मारकर तोड़फोड़ करके दहशत मचाने का प्रयास किया था. इन सभी आरोपियों को हाथ में रस्सी बांधकर जहां उन्होंने दहशत मचाया था, वहां ले जाकर हाथ जोड़कर, सर झुकाकर चलने को कहा ताकि उनकी दहशत खत्म हो और दोबारा वह ऐसी हरकत ना करे. 'ठाणे जिला कायदे का बालेकिला' की घोषणा भी उनसे कराई गई. उनको कान पकड़ने के लिए कहा गया. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शब्बीर सय्यद के मार्दर्शन में शहर में गुंडों की दहशत खत्म करने के लिए ये कार्रवाई की गई है.

विदित हो कि अंबरनाथ नपा के चुनाव चल रहे हैं. ऐसे में दो दिनों पूर्व एक ही दिन में तीन वारदातें हुईं. जावसाई गांव के पास एक व्यक्ति को 6 गुंडों ने मिलकर तलवार से मारकर घायल किया और कुछ वाहनों में तोड़फोड़ की. उसी दिन बुवापाड़ा में भी ऐसी ही घटना हुई, जिसके कारण लोगों में दहशत फैल गई थी. पुलिस ने 6 आरोपियों को एक ही दिन में पकड़कर शहर से उनकी दहशत खत्म करने के लिए रस्सी से बांधकर उनका जुलूस निकाला. इस कार्रवाई से गुंडों में पुलिस का डर बैठ गया है.

सात दिनों के भीतर स्पीड ब्रेकर लगाएं, नहीं तो प्रदर्शन करेंगे

- उल्हासनगर कांग्रेस अध्यक्ष रोहित साल्वे ने प्रशासन को दी चेतावनी

उल्हासनगर. उल्हासनगर कांग्रेस अध्यक्ष रोहित साल्वे ने चेतावनी दी है कि अगर कैलाश कॉलोनी और नेताजी चौक के बीच सड़क पर कानूनी स्पीड ब्रेकर और नोटिस बोर्ड नहीं लगाए गए, तो वे 25 नवंबर को दोपहर 12 बजे कुर्ला कैंप चौक पर रोड जाम कर प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने इस बारे में म्युनिसिपल कमिश्नर, MMRDA इंजीनियर, असिस्टेंट कमिश्नर (ट्रैफिक) और पुलिस प्रशासन को एक निवेदन दिया।

कैलाश कॉलोनी से नेताजी चौक तक मुख्य सड़क का काम लंबे समय तक धीमी गति से चलने के बाद हाल ही में पूरा हुआ है। जब से सड़क पक्की हुई है, इस रास्ते पर गाड़ियों की स्पीड बढ़ गई है। इस वजह से हर दिन छोटे-मोटे एक्सीडेंट की संख्या बढ़ रही है। अच्छी बात यह है कि अभी तक किसी की जान का बड़ा नुकसान नहीं हुआ है।

कांग्रेस की ओर से संबंधित विभागों को कई बार चेतावनी देने के बावजूद, इस सड़क पर महत्वपूर्ण जंक्शनों पर स्पीड ब्रेकर लगाने की मांग पेंडिंग है। साल्वे ने आरोप लगाया कि नियमों के मुताबिक स्पीड ब्रेकर और ज़रूरी नोटिस बोर्ड लगाना एडमिनिस्ट्रेशन की ज़िम्मेदारी है, लेकिन इसे लगातार नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर पब्लिक सेफ्टी से जुड़े इस गंभीर मुद्दे को तुरंत हल नहीं किया गया, तो विरोध प्रदर्शन करना पड़ेगा। अगर अगले सात दिनों में कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो सड़क जाम करने का फ़ैसला लागू रहेगा। साथ ही, अगर इस दौरान संबंधित सड़क पर किसी भी दुर्घटना में किसी की जान जाती है, तो हम MMRDA और म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन एडमिनिस्ट्रेशन के ख़िलाफ़ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज करने की मांग करेंगे, ऐसा बयान में कहा गया है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

भारत के गैंग अब 'ग्लोबल माफिया'

देश में गिरोहबाजों का तंत्र सुरक्षा एवं जांच एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। अपराध की दुनिया के ये कुख्यात सरगना कई बड़ी वारदातों को अंजाम देने के बाद आसानी से विदेश भाग जाते हैं और वहीं से अपने गिरोह को संचालित करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में तमाम सख्ती के बावजूद ऐसे कई गिरोह पनपे, जो समाज के लिए बड़ा खतरा बन गए। लारेंस बिश्नोई गिरोह भी इनमें से एक है। लारेंस के सुरक्षा एजेंसियों की गिरफ्त में आने के बाद उसका भाई अनमोल अमेरिका से इस गिरोह को संचालित कर रहा था।

मगर, राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने अब उसे अमेरिका से प्रत्यर्पित कर गिरफ्तार कर लिया है। वह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या, अभिनेता सलमान खान के घर पर गोलीबारी और पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या सहित कई अन्य अपराधों में वांछित था। अनमोल की गिरफ्तारी को भले ही जांच एजेंसी की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, लेकिन सवाल है कि इस तरह के अपराधी सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देकर विदेश कैसे फरार हो जाते हैं?

इसे सुरक्षा एजेंसियों की विफलता नहीं तो और क्या कहा जाएगा कि लारेंस बिश्नोई गिरोह ने दिल्ली, पंजाब और गुजरात सहित तेरह राज्यों में अपना तंत्र खड़ा कर लिया था। यही नहीं, इस गिरोह ने अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, दुबई और पुर्तगाल जैसे देशों में भी अपनी जड़ें जमा लीं। क्या कारण है कि तमाम संसाधनों और तकनीकी दक्षता के बावजूद राज्यों की पुलिस एवं अन्य सुरक्षा एजेंसियां इस तरह के गिरोहों पर लगाम कसने में उतनी सतर्क एवं सजग नजर नहीं आतीं, जितनी उनसे अपेक्षा की जाती है।

लारेंस और अनमोल के अलावा और भी कई गिरोहबाज विदेश से देश के भीतर आपराधिक वारदातों को अंजाम देने की साजिश रचते रहते हैं। हालांकि, केंद्र सरकार ने ऐसे गिरोहबाजों की धरपकड़ के लिए पिछले कुछ समय से अपने कूटनीतिक प्रयासों को तेज किया है और मुंबई हमले के साजिशकर्ताओं में शामिल तहव्वुर हुसैन राणा को अमेरिका से भारत लाना इन्हीं प्रयासों का नतीजा है। उम्मीद है कि सरकार और सुरक्षा एजेंसियां विदेश में बैठे आर्थिक अपराधियों सहित अन्य गिरोहबाजों को भी न्याय के कठघरे में लाएगी।

विचार : बिहार की जरूरत बने नीतीश कुमार

नीतीश कुमार एक बार फिर बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं तो एक समय उनसे भी बड़े कद के नेता समझे जाने और राष्ट्रीय राजनीति को प्रभावित करने वाले लालू प्रसाद यादव पूरी तरह निस्तेज हो चुके हैं और उनका राष्ट्रीय जनता दल संकट में है। नीतीश कुमार लगभग 20 साल से मुख्यमंत्री पद पर हैं। वे केंद्र में मंत्री भी रहे हैं।

इतने लंबे समय तक सत्ता में रहने के बाद भी उन पर न तो किसी तरह के घपले-घोटाले के आरोप हैं और न ही परिवादवाद या भाई-भतीजावाद के। उनकी यही छवि उन्हें औरों से अलग बनाती है। वे एक ऐसे नेता के रुप में सामने आए, जिसे इस बार के विधानसभा चुनावों में लोगों ने फिर से सत्ता में लाने के लिए मतदान किया। 20 साल बाद भी सत्ता विरोधी के बजाय सत्ता अनुकूल प्रभाव की मिसाल देने वाले वे विरले नेता हैं।

कभी जनता दल में लालू यादव, नीतीश कुमार, रामविलास पासवान जैसे नेता एक साथ थे। बिहार में 1989 का लोकसभा चुनाव और 1990 का विधानसभा चुनाव लालू-नीतीश के संयुक्त नेतृत्व में ही लड़ा गया था। लालू प्रसाद मुख्यमंत्री बनने के बाद अलग राह पर चलने लगे। 1994 में जार्ज फर्नांडिस के नेतृत्व में समता पार्टी का गठन हुआ, लेकिन तब बिहार में सामाजिक परिवर्तन की चाह इतनी तीव्र थी कि लालू यादव का करिश्मा कम होने का नाम नहीं ले रहा था। लोकसभा और विधानसभा चुनावों में समता पार्टी बुरी तरह पराजित हुई, लेकिन नीतीश कुमार के हौसले में कमी

नहीं आई। उसी समय अटल-आडवाणी और जार्ज-नीतीश ने मिलकर राष्ट्रीय स्तर पर राजग की घोषणा की और राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ा जमावड़ा उसके इर्दगिर्द कायम होने लगा।

बिहार की राजनीति में भाजपा का साथ मिलने से नीतीश कुमार की स्वीकार्यता बढ़ी। उधर लालू यादव की राजनीति के चलते राजद का जनाधार घटता गया। उनकी छवि को आघात तब पहुंचा, जब उन्होंने चारा घोटाले में फंसने के बाद पत्नी राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री पद सौंपने का फैसला लिया- और वह भी तब जब उनका राजनीतिक अनुभव शून्य था।

इस पर गौर करें कि जहां लालू यादव जेल जाने की नौबत आने पर राजनीतिक अनुभव से शून्य पत्नी को सत्ता सौंपने का निर्णय लेते हैं वहीं 2014 के लोकसभा चुनाव में पराजय के बाद नीतीश कुमार ने उसकी जिम्मेदारी लेते हुए जीतनराम मांझी को मुख्यमंत्री बनाया। इससे पता चलता है कि एक साथ राजनीति शुरू करने वाले नेता अपनी राजनीति को किस तरह अलग दिशा देते हैं। 2000 आते-आते लालू यादव पिछड़ों के एक खास तबके के ही नेता बनकर रह गए और उधर नीतीश कुमार अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने में कामयाब रहे। हालांकि उनके सामने कई चुनौतियां कायम रहीं।

2000 के विधानसभा चुनाव के बाद नीतीश कुमार को राज्य के मुख्यमंत्री की शपथ दिलाई गई, लेकिन राजग सरकार को बहुमत का विश्वास प्राप्त न होने कारण उन्हें त्यागपत्र देना पड़ा। इसके बाद उन्हें अटल सरकार में केंद्रीय मंत्री बनने का अवसर मिला। उन्होंने कृषि, रेलवे, जहाजरानी आदि मंत्रालय संभाले। उनके मंत्रालयों के संचालन में आई पारदर्शिता और कार्यकुशलता ने उन्हें लालू यादव के सामने एक बड़ी लकीर के रूप में लाकर खड़ा कर दिया। बिहार में खास तौर पर गांव, गली में दोनों के कार्य करने के तरीकों की चर्चा होने लगी। ऐसे ही माहौल में 2005 का विधानसभा चुनाव प्रारंभ हुआ। चुनावों में राजग ने मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित करने में हिचकिचाहट दिखाई। जदयू में भी नीतीश कुमार के नाम पर सभी एकमत नहीं थे। पहले चरण के चुनाव का आकलन राजग के पक्ष में नहीं दिख रहा था। ऐसे ही माहौल में एक दिन चुनाव प्रचार के सिलसिले में जब नीतीश कुमार एक सभास्थल की ओर बढ़ रहे थे कि एक पत्रकार मित्र ने समाचार दिया कि लालकृष्ण आडवाणी ने रांची में मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार के नाम की घोषणा की है। इसके बाद नीतीश की सभाओं में अचानक अधिक भीड़ उमड़ने लगी।

आध्यात्मिक मार्ग पर चुनौती यह है कि हम वो चुनें जो सही है, चाहे हमारे सामने ऐसे कई विकल्प हों जो हमारे लिए गलत हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

टूटे भरोसे को जोड़ने की कोशिश

अंगदान से किसी को भी नया जीवन दिया जा सकता है, इसलिए इसे महादान कहा जाता है। यह मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। मगर भारत में अंगदान और प्रत्यारोपण की प्रक्रिया में चुनौतियां भी कम नहीं हैं। दानदाताओं की कमी और बुनियादी व्यवस्था का अभाव सबसे बड़ा संकट है। समाज में अंगदान के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए सरकारी प्रयास नाकाफी साबित हो रहे हैं।

दूसरी ओर, अंगदान की वैधता और गैर वैधता को लेकर कानून बनाया गया है, लेकिन यह देश के तमाम राज्यों में न तो समान रूप से लागू हो पाया है और न ही इस पर कड़ाई से अमल हो पा रहा है। यही वजह है कि अब सर्वोच्च न्यायालय ने अंगदान और इसके आबंटन एवं प्रत्यारोपण के लिए एक पारदर्शी और सक्षम प्रणाली बनाने के लिए केंद्र सरकार को राज्यों के परामर्श से एक राष्ट्रीय नीति तथा समान नियम बनाने के निर्देश दिए हैं। शीर्ष अदालत ने अंगदान करने वालों को शोषण और उत्पीड़न से बचाने के वास्ते हर स्तर पर पुख्ता बंदोबस्त करने के लिए भी कहा है।

देश में मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 में मौजूदा समय के हिसाब से संशोधन किए गए हैं। मगर कुछ राज्यों ने इन संशोधनों पर अभी तक अमल नहीं किया है। इनमें आंध्र

प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और मणिपुर जैसे कई राज्य शामिल हैं। इससे स्पष्ट है कि अंगदान और प्रत्यारोपण को लेकर विभिन्न राज्यों के नियमों में समानता नहीं है। इसका खमियाजा न केवल अंगदाताओं, बल्कि प्रत्यारोपण का इंतजार करने वाले मरीजों को भी भुगतना पड़ता है।

यही वजह है कि देश में इस संबंध में राष्ट्रीय नीति की जरूरत महसूस की जा रही है। शीर्ष अदालत ने नई नीति में अंग प्रत्यारोपण के लिए आदर्श आबंटन मानदंड निर्धारित करने को कहा है। साथ ही इस बात को भी रेखांकित किया है कि इसमें लिंग और जातिगत पूर्वाग्रह के मुद्दों पर ध्यान दिया जाना चाहिए और राज्यवार विसंगतियों को समाप्त करने के लिए अंगदाताओं के वास्ते एक समान नियम तय किए जाएं।

अंगदान में कमी और प्रत्यारोपण से जुड़ी समस्याओं के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं। इनमें जागरूकता की कमी, पारिवारिक सहमति का अभाव, नैतिक एवं सांस्कृतिक बाधाएं, विशेष चिकित्सा पेशेवरों की कम उपलब्धता, सीमित बुनियादी व्यवस्थाएं और अंगों की कालाबाजारी शामिल हैं। केंद्र सरकार की एक रपट के मुताबिक, देश में अंग प्रत्यारोपण की संख्या वर्ष 2013 में 4,990 से बढ़कर 2023 में 18,378 हो गई, फिर भी अंगदान की दर प्रति दस लाख जनसंख्या पर एक से भी कम है।

इससे साफ है कि लोगों को अंगदान के लिए प्रेरित करने के वास्ते व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। साथ ही अंगों की कालाबाजारी कर मुनाफा कमाने की गतिविधियों पर भी पूरी तरह रोक लगानी होगी। यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि जरूरतमंद का वैध तरीके से ही अंग प्रत्यारोपण हो और किसी अंगदाता के साथ धोखाधड़ी या उसका उत्पीड़न न हो। इसके अलावा अंगों को निकालने, संग्रहीत करने और उन्हें समय पर विभिन्न क्षेत्रों में प्रत्यारोपण के लिए पहुंचाना भी एक बड़ी चुनौती है। देश में अंग प्रत्यारोपण की प्रक्रिया के लिए बहुत कम अस्पताल पंजीकृत हैं। साथ ही अंगों को दूसरी जगह पहुंचाने के लिए परिवहन व्यवस्था और पेशेवर कर्मियों का भी खासा अभाव है। ऐसे में राष्ट्रीय नीति के जरिए ही इन समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

4200 मीटर की ऊंचाई पर दौड़ती है ये रेलगाड़ी

अर्जेंटीना की 'ट्रेन टू द क्लाउड्स' ठीक ऐसा ही अनुभव कराती है. यह रेलमार्ग दुनिया के उन कुछ चुनिंदा रास्तों में से है, जो 4200 मीटर की

जरा हट के

हैरान कर देने वाली ऊंचाई पर चलते हैं और इस अद्भुत इंजीनियरिंग की वजह से सैलानी इस अनोखे मंजर को देखने के लिए बेताब रहते हैं. ट्रेन टू द क्लाउड्स एंडीज पर्वतमाला में स्थित है और यह दुनिया के सबसे ऊंचे रेलमार्गों में से एक है. यह ट्रेन अपनी यात्रा अर्जेंटीना के साल्टा शहर से शुरू करती है, जो समुद्र तल से 1187 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है.

यह रेलमार्ग 'ट्रेन टू द क्लाउड्स' के नाम से प्रसिद्ध हुआ, क्योंकि यह अक्सर बादलों के बीच से या सीधे उनके नीचे से गुजरती है. 16 घंटे की यह लंबी यात्रा कुल 217 किलोमीटर की दूरी तय करती है और 3000 मीटर की ऊंचाई तक चढ़ती है. इस तरह ये कुल 4200 मीटर (1187 मीटर और

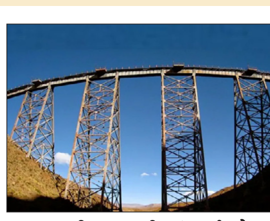

3000 मीटर) की ऊंचाई हो जाती है. यह रेलमार्ग मूल रूप से 1920 के दशक में अमेरिकी इंजीनियर रिचर्ड फाउंटेन मौरी द्वारा डिजाइन किया गया था. मौरी ने ढलानों पर चढ़ने के लिए सामान्यतः उपयोग होने वाले कॉगव्हील की जगह जिगजैग का इस्तेमाल किया. यह ट्रेन अपने सफर में 29 पुलों, 12 वायाडक्टों, 21 सुरंगों और दो विशालकाय लूपों को पार करती है. ये जिगजैग ट्रेन को पर्वत की ढलान के समानांतर आगे और पीछे जाते हुए नाटकीय रूप से ऊंचाई हासिल करने में मदद करते हैं.

यह रेलमार्ग मूल रूप से इस क्षेत्र की बोरेक्स खदानों के लिए बनाया गया था, जिसका उद्देश्य चिली के तट से होते हुए एंडीज पर्वतमाला के माध्यम से उत्तर-पश्चिमी अर्जेंटीना तक माल ढोना करना था. हालांकि, 1970 के दशक से इस रूट को पर्यटकों के लिए खोल दिया गया, जो अब एक प्रमुख आकर्षण है. ट्रेन सुबह जल्दी साल्टा शहर से निकलती है, लेर्मा घाटी, टोरो खड्ड को पार करती है और पूना के विशाल क्षेत्र से होकर गुजरती है. यात्रा के दौरान ट्रेन केवल दो ही जगह रुकती है. पहला ठहराव सैन एंटोनियो डी लॉस कोब्रेस नामक एक पुराने शहर में होता है, जहां यात्री हस्तशिल्प, कपड़े और यादगार वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं.

पिएं कद्दू का सूप

सर्दी में गरमागरम सूप पीना शरीर को गर्म रखता है और स्वादिष्ट भी होता है। ऐसे में आप चाहें, तो घर पर बड़ी ही आसानी से कद्दू का सूप बना सकते हैं। यह बनाने में तो आसान होता ही है, साथ ही, सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। आइए जानें कद्दू का सूप बनाने की रेसिपी।

सामग्री-

- कद्दू- 2 कप (लगभग 400 ग्राम) कटा हुआ, छिला हुआ
- प्याज- 1 मध्यम आकार का, पतला कटा हुआ
- लहसुन- 2 कलियां
- ऑलिव ऑयल या मक्खन- 2 टेबलस्पून
- पानी या वेजिटेबल स्टॉक- 3 कप
- नमक- स्वादानुसार
- काली मिर्च पाउडर- ½ टीस्पून
- ताजी क्रीम- गार्निश के लिए

बनाने की विधि-

सबसे पहले एक नॉन-स्टिक पैन या कड़ाही में 2 टेबलस्पून तेल या मक्खन गरम करें। इसमें पतला कटा हुआ प्याज डालें और हल्का गुलाबी होने तक भूनें। अब लहसुन की कलियां डालकर कुछ सेकंड के

लिए भून लें। फिर कटे हुए कद्दू के टुकड़े डालें और मध्यम आंच पर लगभग 3 मिनट तक भूनें। अब पैन में 3 कप गरम पानी या वेजिटेबल स्टॉक डालें और आधा टीस्पून नमक और आधा टीस्पून काली मिर्च पाउडर भी डालें। तेज आंच पर एक उबाल आने दें, फिर आंच धीमी कर दें। अब ढक्कन लगाकर कद्दू के नरम होने तक, लगभग 15-20 मिनट तक पकाएं। जब कद्दू अच्छे से पक जाए, तो गैस बंद कर दें और मिश्रण को थोड़ा ठंडा होने दें। ठंडा होने के बाद, इसे हैंड ब्लेंडर की मदद से या मिक्सर जार में डालकर एकदम स्मूथ पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को फिर से पैन में डालें और उबाल आने दें। अगर सूप बहुत गाढ़ा लगे, तो आप थोड़ा गरम पानी मिला सकते हैं। नमक और काली मिर्च को चखकर एडजस्ट करें। गरमागरम कद्दू का सूप तैयार है। ऊपर से ताजी क्रीम से गार्निश करें और तुरंत सर्व करें।

रात के वक्त बढ़ जाता है हार्ट अटैक का खतरा

इन 5 लक्षणों से कर सकते हैं वक्त रहते पहचान

हार्ट अटैक दुनिया भर में मौत की सबसे प्रमुख वजहों में से एक है। एक स्टडी के अनुसार, लगभग 20% हार्ट अटैक रात को 12 बजे से लेकर सुबह 6 बजे के बीच आते हैं। समस्या की बात यह है कि रात को नजर आने वाले हार्ट अटैक के लक्षणों पर लोग ध्यान नहीं देते हैं। इसके कारण इलाज मिलने में देर और मौत का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए जरूरी है कि हार्ट अटैक लक्षणों को लेकर सावधानी बरतना और भी जरूरी हो जाता है, खासकर रात के समय। आइए जानें रात के

रात में हार्ट अटैक के कारण

शारीरिक तनाव में बदलाव- सोते समय, शरीर की 'पैरासिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम' एक्टिव होता है, जो शरीर को आराम देता है। अचानक हार्ट अटैक आने पर शरीर पर 'सिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम' का दबाव बढ़ जाता है, जिससे दिल पर एक्स्ट्रा दबाव पड़ सकता है।

ब्लड प्रेशर में उतार-चढ़ाव- रात के समय ब्लड प्रेशर आमतौर पर कम होता है और सुबह उठते समय अचानक बढ़ता है। यह अचानक बदलाव दिल के लिए स्ट्रेसफुल हो सकता है।

स्लीप एप्निया- ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एप्निया एक ऐसी स्थिति है जहां नींद के दौरान सांस रुक-रुक कर आती है। इससे शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है और दिल पर दबाव बढ़ जाता है, जो हार्ट अटैक के खतरे को बढ़ा सकता है।

दिन भर का तनाव- दिन भर का मानसिक तनाव, चिंता और थकान रात के समय शरीर पर अपना असर दिखा सकते हैं।

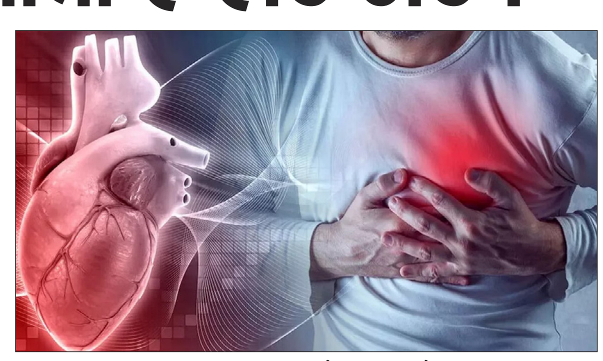

रात में दिखने वाले हार्ट अटैक के लक्षण

सीने में दर्द या बेचैनी- यह सबसे आम लक्षण है, लेकिन रात में इसका अनुभव अलग हो सकता है। यह दर्द सीने के बीचों-बीच भारीपन, जलन, कसाव या दबाव के रूप में महसूस हो सकता है। यह दर्द अक्सर बाएं कंधे, बाजू, गर्दन, जबड़े या पीठ के ऊपरी हिस्से तक फैल सकता है।

बहुत ज्यादा पसीना आना- अगर आप बिना किसी कारण के, इतने ज्यादा पसीने में सोकर उठें कि आपके कपड़े और चादर तर हो गए हों, तो यह एक गंभीर चेतावनी हो सकती है। यह पसीना आमतौर पर ठंडा और चिपचिपा होता है।

जी मचलना या चक्कर आना- रात में अचानक जी मिचलाना, उल्टी जैसा महसूस होना या चक्कर आना दिल के ठीक से काम न करने का संकेत हो सकता है। जब दिल शरीर के बाकी हिस्सों में सही मात्रा में खून पंप नहीं कर पाता, तो दिमाद तक ब्लड कम मात्रा में पहुंचता है, जिससे चक्कर और जी मचलाने की शिकायत होती है।

सांस फूलना- सोते समय अचानक सांस लेने में तकलीफ होना या सांस फूलना हार्ट अटैक का एक अहम लक्षण है। ऐसा महसूस हो सकता है जैसे आपका दम घुट रहा हो या आप पर्याप्त हवा नहीं ले पा रहे हों। यह लक्षण अक्सर तब होता है जब दिल फेफड़ों में ब्लड को ठीक से पंप नहीं कर पाता।

दिल की धड़कने तेज या अनियमित होना- आराम की स्थिति में, खासकर सोते समय, अगर आपको लगे कि आपका दिल बहुत तेजी से, जोर-जोर से या अनियमित तरीके से धड़क रहा है, तो यह चिंता का विषय है। यह दिल के इलेक्ट्रिकल सिस्टम में गड़बड़ी का संकेत हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष : नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। नए विचार दिमाग में आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। धनार्जन होगा। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा।

वृषभ : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। काम में मन नहीं लगेगा। दूसरे आपसे अधिक की अपेक्षा करेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। पुराना रोग उभर सकता है।

मिथुन : मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आय में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी।

कर्क : घर में अतिथियों का आगमन होगा। प्रसन्नता तथा उत्साह बने रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। आलस्य हावी रहेगा। प्रमाद न करें। विवेक का प्रयोग करें। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

सिंह : नौकरी में अधिकार वृद्धि हो सकती है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेश मनोनकूल रहेगा। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। किसी कार्य के प्रति चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है।

कन्या : व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगा। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। किसी भी अपरिचित व्यक्ति की बातों में न आएं।

तुला : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। कोई बड़ा काम करने की इच्छा जागृत होगी। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। प्रमाद न करें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे।

वृश्चिक : मान-सम्मान मिलेगा। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। व्यापार-व्यवसाय में मनोनुकूल लाभ होगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। थकान रहेगी। किसी कार्य की चिंता रहेगी।

धनु : लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। दूसरों के कार्य में हस्तक्षेप न करें। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल लाभ देंगे। किसी बड़े काम की रुकावट दूर होगी।

मकर : कीमती वस्तुएं इधर-उधर हो सकती हैं, संभालकर रखें। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। यात्रा में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट संभव है। पुराना रोग उभर सकता है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

कुंभ : व्यापार व व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। धनहानि की आशंका है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। थकान व कमजोरी रह सकती है।

मीन : नौकरी में रुतबा बढ़ेगा। आय के नए साधन प्राप्त हो सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। जीवन सुखमय व्यतीत होगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। रोजगार में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य में राहत मिलेगी। चिंता दूर होगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

सर्दियों में इन 5 फूड्स से करें परहेज

कच्ची सब्जियां : एक रिपोर्ट के मुताबिक सर्दियों में लोगों को कच्ची सब्जियां नहीं खानी चाहिए. कच्चा खीरा, टमाटर और सलाद पत्ता खाने से शरीर में ठंडक बढ़ सकती है. सर्दियों में शरीर खुद को गर्म रखने के लिए ज्यादा मेहनत करता है और इस दौरान कच्ची सब्जियां खाने से पाचन धीमा हो सकता है. इससे पेट से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं. ठंड के मौसम में सब्जियों का सूप बनाकर गर्मागर्म पी सकते हैं या सब्जियों को स्टीम करके खा सकते हैं.

पानी से भरपूर फ्रूट्स : फलों का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है, लेकिन कई फलों का सेवन ठंड के मौसम में नहीं करना चाहिए. तरबूज, खरबूज और पानी से भरपूर अन्य फ्रूट्स खाने से शरीर का तापमान कम हो सकता है, जिससे पाचन तंत्र डिस्टर्ब हो सकता है. इसके बजाय सर्दियों में संतरा, अमरूद और सेब खूब खाएं. ये फ्रूट्स विटामिन्स से भरपूर होते हैं और सर्दियों में इम्यूनिटी बूस्ट हो सकती है. फलों का सेवन सोच समझकर करना चाहिए.

फ्राइड फूड्स : सर्दियों में लोगों को तली हुई चीजें खाने का मन करता है और वे समोसा और पकौड़े जमकर खाते हैं. हालांकि इन चीजों का ज्यादा सेवन करने से पाचन तंत्र गड़बड़ हो सकता है और वजन बढ़ सकता है. ऑयली फूड्स का ज्यादा सेवन करने से इम्यून सिस्टम कमजोर हो सकता है और इससे मौसमी बीमारियों खतरा बढ़ सकता है. तली-भुनी चीजों के बजाय लोगों को बेक्ड या एयर फ्राइड फूड्स का सेवन करना चाहिए.

फर्मेंटेड फूड्स : फर्मेंटेड फूड्स जैसे- इडली, डोसा और ढोकला खाने में स्वादिष्ट और पाचन में हल्के होते हैं. हालांकि सर्दियों में इनका सेवन नहीं करना चाहिए. इससे एसिडिटी पैदा हो सकती है और पाचन तंत्र गड़बड़ हो सकता है. अगर आप ठंड के मौसम में ज्यादा फर्मेंटेड फूड्स खाएंगे, तो इससे ब्लोटिंग और डिसकंफर्ट महसूस कर सकते हैं. इसके बजाय ठंड के मौसम में ताजा बने हुए गर्मागर्म फूड्स का आनंद लेना चाहिए. इससे सेहत भी ठीक रहेगी और एंजॉय भी कर पाएंगे.

दही : कई लोगों को हर मौसम में दही खाने की आदत होती है और वे सर्दियों में भी दही का सेवन करते हैं. हालांकि ऐसा करना सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है. दही की ठंडी तासीर सर्दियों में सेहत के लिए ठीक नहीं है. दही खाने से सर्दी-खांसी की समस्या बढ़ सकती है. अगर आपको दही बहुत ज्यादा पसंद है, तो आप इसकी जगह छाछ पी सकते हैं या दही को थोड़ा गर्म करके जीरा मिलाकर खाएं. इससे आपकी सेहत को नुकसान नहीं होगा.

सर्दियों में कटे हुए नींबू नहीं होंगे खराब...!

आजमाएं ये ट्रिक

कई होममेकर्स को यह प्रॉब्लम होती है कि अगर वे कटे हुए नींबू को फ्रिज में भी रखती हैं, तो वे समय के साथ खराब हो जाते हैं. अगर आप कटे हुए नींबू को सही तरीके से स्टोर करते हैं, तो वे कई दिनों तक फ्रेश और जूसी रह सकते हैं. बस कुछ बातों का ध्यान रखकर और इन आसान घरेलू नुस्खों को फॉलो करके, आप पूरे महीनों नींबू का मज़ा ले सकते हैं. ऐसे में आइए जानते हैं कि कटे हुए नींबू को फ्रिज में स्टोर करते समय किन चीजों का ध्यान रखें...

सर्दियों में कटे हुए नींबू को फ्रिज में रखने से पहले उसे प्लास्टिक बैग या एयरटाइट कंटेनर में रख लें. इससे वे ज़्यादा समय तक ताज़ा रहेंगे. बिना खोले नींबू फ्रिज की ठंडी हवा में सूख जाते हैं, जिससे वे खराब हो जाते हैं.

नींबू को ज़्यादा समय तक ताज़ा रखने का एक और घरेलू तरीका है कि उन्हें पानी से भरे कंटेनर में फ्रिज में रखें. पानी नींबू को नमीदार रखने में मदद करता है और उन्हें जल्दी सूखने से बचाता है.

नींबू को कपड़े में लपेटकर भी कई दिनों तक ताज़ा रखा जा सकता है. इस तरीके से नमी और तापमान का बैलेंस बना रहता है, जिससे वे सड़ते नहीं हैं.

अगर नींबू आधा कटा हुआ है, तो उसे फ्रिज में रखने से पहले उस पर थोड़ा नमक छिड़क दें या एयरटाइट कंटेनर में रखें. आप इसे प्लास्टिक रैप से भी ढक सकते हैं. इससे नींबू का रस ज़्यादा समय तक सुरक्षित रहेगा.

कुछ लोग कांच की बोतल में नींबू डालकर थोड़ा सा नमक छिड़कते हैं. यह तरीका नींबू को लंबे समय तक खराब होने से बचाने में मदद करता है. नींबू का रस निकालकर उन्हें फ्रिज में रखने से उनकी लाइफ बढ़ सकती है. अगर आप नींबू को ठीक से स्टोर करेंगे, तो वे कई दिनों तक फ्रेश रहेंगे.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

लखनऊ में रिकवरी एजेंट की बेरहमी से हत्या

लखनऊ. लखनऊ के इंदिरानगर क्षेत्र में एक सनसनीखेज घटना सामने आई। यहां कुछ लोगों ने विवाद के बाद एक रिकवरी एजेंट को बेरहमी से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। वारदात सीसीटीवी में कैद हुई। मृतक की पहचान शशि प्रकाश उपाध्याय के रूप में हुई है, जो वर्तमान में सेक्टर-8, रघुराजपुरम में किराए पर रहते थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश में कई जगह दबिश दी जा रही है। मूल रूप से जनपद अंबेडकर नगर, राजे सुल्तानपुर के रहने वाले शशि प्रकाश उपाध्याय लखऊ में विष्णु एंड कंपनी में रिकवरी एजेंट के पद पर कार्यरत थे। बताया जा रहा है कि उनका सेक्टर-8 के कुछ व्यक्तियों से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपियों ने उन्हें बुरी तरह मारना-पीटना शुरू कर दिया। शशि लहूलुहान होकर गिर पड़े।

एक साथ चार मौत से गांव में कोहराम

कानपुर. कानपुर के पनकी के आयल सीड्स कंपनी के परिसर के एक कमरे में चार युवकों की मौत से देवरिया के तरकुलवा थाना क्षेत्र के तव्वकलपुर में गुरुवार की सुबह कोहराम मच गया। तरकुलवा थाना क्षेत्र के तव्वकलपुर के रहने वाले अमित कुमार बरनवाल पुत्र अयोध्या, संजू सिंह पुत्र फतेह बहादुर, दाउद पुत्र यासीन अंसारी, राहुल पुत्र लल्लन के साथ ही अमित का भाई अरुण, नागेंद्र समेत कई लोग कानपुर के पनकी के आयल सीड्स कंपनी में बेल्डर का कार्य करते थे। बुधवार की रात अमित कुमार, संजू सिंह, दाउद, राहुल, अरुण, नागेंद्र एक ही साथ भोजन किए और अरुण, नागेंद्र दूसरे कमरे में जाकर सो गए। सुबह जब फाटक तोड़कर अंदर गए तो अमित, संजू, दाउद व राहुल की मौत हो चुकी थी। पुलिस मान रही है कि चारो की मौत दम घुटने से हुई है। मौत की सूचना आते गांव में मातम छा गया।

पत्नी पर शक के चक्कर में बेटे की जहर देकर हत्या

फिरोजाबाद. यूपी के फिरोजाबाद में एक पिता ने अपने की बेटे की हत्या कर दी। उसे अपनी पत्नी पर शक था और उसका कहना था कि बच्चे उसके नहीं है। न्यायालय ने बेटे की हत्या के दोषी पिता को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। उस पर अर्थ दंड लगाया। अर्थ दंड न देने पर उसे अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। थाना मक्खनपुर के साती निवासी लक्ष्मी शंकर ने अपनी पुत्री निर्मला की शादी 12 वर्ष पूर्व सुनील पुत्र भगवान सिंह निवासी शाहदरा चुंगी एत्मादौला आगरा के साथ की थी। निर्मला ने इस दौरान दो बेटे तथा दो बेटियों को जन्म दिया। सुनील अपनी पत्नी पर बदचलन होने का लांछन लगाने लगा। उसका मानना था कि दोनों लड़के उसके नहीं है। वह उनको मार देगा। डर के कारण निर्मला मायके आ गई। वह तीन वर्षों तक मायके रही। सुनील 18 अप्रैल 2022 को ससुराल लोडर टेंपो लेकर आया। वह रात को वहीं सोया।

नीतीश कुमार 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री

- 26 मंत्रियों ने भी शपथ ली
- इनमें भाजपा के 14, जदयू के 8, चिराग के 2 मंत्री; एक मुस्लिम चेहरा

पटना. नीतीश कुमार ने 10वीं बार बिहार में मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। गांधी मैदान में गुरुवार को हुए भव्य समारोह में PM नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई बड़े भाजपा नेता मौजूद रहे। डिप्टी सीएम के रूप में सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने शपथ ली। वहीं 26 मंत्रियों ने भी शपथ ली। जिनमें 14 बीजेपी कोटे से, 8 जदयू से, 2 लोजपा (R) से जबकि हम और कुशवाहा की पार्टी से 1-1 को मंत्री बनाया गया है। इस मंत्रिमंडल में एक मुस्लिम चेहरा भी शामिल है। जदयू ने जमा खान को फिर मंत्री बनाया है।

शपथ के बाद पीएम मोदी ने मंच से गमछा हिलाकर लोगों का अभिवादन किया। हरियाणा, असम, गुजरात, मेघालय, यूपी,

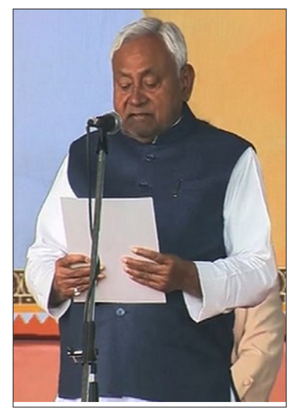

नगालैंड, ओडिशा, दिल्ली, एमपी और राजस्थान के मुख्यमंत्री भी शपथ समारोह में शामिल हुए। मंच पर चिराग पासवान ने मांझी और जेपी नड्डा के पैर छूकर आशीर्वाद लिया।

नीतीश कैबिनेट में 13 नए चेहरों को मौका

नीतीश कैबिनेट में इस बार नए चेहरों को मौका दिया गया है। रामकृपाल यादव, श्रेयसी सिंह को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। चिराग की पार्टी से 2 विधायकों को मंत्री बनाया गया है। इसमें संजय सिंह भी शामिल हैं।

26 मंत्रियों ने ली शपथ

1. सम्राट चौधरी	14. सुनील कुमार
2. विजय कुमार सिन्हा	15. मो0 जमा खान
3. विजय कुमार चौधरी	16. संजय सिंह 'टाइगर'
4. बिजेन्द्र प्रसाद यादव	17. अरुण शंकर प्रसाद
5. श्रवण कुमार	18. सुरेन्द्र मेहता
6. मंगल पाण्डेय	19. नारायण प्रसाद
7. डॉ0 दिलीप जायसवाल	20. रमा निषाद
8. अशोक चौधरी	21. लखेन्द्र कुमार रौशन
9. लेशी सिंह	22. श्रेयसी सिंह
10. मदन सहनी	23. डॉ0 प्रमोद कुमार
11. नितिन नवीन	24. संजय कुमार
12. राम कृपाल यादव	25. संजय कुमार सिंह
13. संतोष कुमार सुमन	26. दीपक प्रकाश

ममता बनर्जी ने ज्ञानेश कुमार को लिखा लेटर

हालात काफी बिगड़ गए हैं, रोक दें SIR

कोलकाता. पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि राज्य में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की मौजूदा प्रक्रिया अनियोजित और जबरन तरीके से चलाई जा रही है, जो नागरिकों और अधिकारियों दोनों को जोखिम में डाल रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि यह विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया चिंताजनक और खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि हालात काफी बिगड़ गए हैं और एसआईआर प्रक्रिया को रोक दिया जाना चाहिए। बनर्जी ने कहा कि उन्होंने जारी एसआईआर प्रक्रिया को लेकर बार-बार अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं, और अब स्थिति काफी बिगड़ जाने के कारण उन्हें मजबूर होकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) को यह पत्र लिखना पड़ा है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण की यह प्रक्रिया लोगों पर "बिना किसी बुनियादी तैयारी या पर्याप्त योजना" के थोपी जा रही है।

राज्यपाल विस से पास बिलों को न लटकाएं

- सुप्रीम कोर्ट बोला- बिल मंजूर करें, लौटाएं या राष्ट्रपति को भेजें
- डेडलाइन नहीं, लेकिन देरी पर दखल देंगे

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को राष्ट्रपति और राज्यपाल की बिल मंजूरी की डेडलाइन तय करने वाली याचिकाओं पर फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि हमें नहीं लगता कि गवर्नरों के पास विधानसभाओं से पास बिलों (विधेयकों) पर रोक लगाने की पूरी पावर है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा,

'गवर्नर्स के पास 3 ऑप्शन हैं। या तो मंजूरी दें या बिलों को दोबारा विचार के लिए भेजें या उन्हें प्रेसिडेंट के पास भेजें।' सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिलों की मंजूरी के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की जा सकती। अगर देरी होगी तो हम दखल दे सकते हैं।

CJI की अगुआई में 5 जजों की बेंच ने सुनवाई की

- मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की जगह इस मामले में चीफ जस्टिस बीआर गवई की अगुआई वाली संविधान पीठ ने सुनवाई की। पीठ में जस्टिस सूर्यकांत, विक्रम नाथ, पीएस नरसिम्हा और एएस चंद्रचूड़कर शामिल थे। सुनवाई 19 अगस्त से शुरू हुई थी।
- सुनवाई के दौरान अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केंद्र सरकार का पक्ष रखा। वहीं, विपक्ष शासित राज्य तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, कर्नाटक, तेलंगाना, पंजाब और हिमाचल प्रदेश ने केंद्र का विरोध किया।

यह मामला तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के बीच हुए विवाद से उठा था। जहां गवर्नर ने राज्य सरकार के बिल रोककर रखे थे। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को आदेश दिया कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है।

इसी फैसले में कहा था कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सामने आया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने मामले में सुप्रीम कोर्ट से राय मांगी और 14 सवाल पूछे थे। इस मामले में 8 महीने से सुनवाई चल रही थी।

विदेश भागने वाला था अल-फलाह का चेयरमैन

- ED का दावा- परिवार पहले से खाड़ी देशों में बसा
- यूनिवर्सिटी से 10 लोग गायब

नई दिल्ली. दिल्ली ब्लास्ट के आतंकी डॉक्टरों की 'पनाहगार' रही फरीदाबाद की अल-फलाह यूनिवर्सिटी पर प्रवर्तन निदेशालय (ED) का शिकंजा कस गया है। ED ने बुधवार को यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जवाद को साकेत कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने दलीलें सुनने के बाद जवाद को 13 दिन की रिमांड पर ED को सौंप दिया।

ED के मुताबिक सिद्दीकी का परिवार खाड़ी देशों में बसा है। वह भी विदेश भागने की तैयारी में था। अगर उसे गिरफ्तार नहीं किया जाता तो वो विदेश भागकर जांच से बच सकता था। सबूत मिटा सकता था।

ED ने कोर्ट को बताया कि 1990 के दशक के बाद अल-फलाह ग्रुप ने तेजी से तरक्की की और एक बड़ा शैक्षणिक संस्थान बन गया। हालांकि, ग्रुप की वित्तीय स्थिति और उसकी संपत्तियों के बीच बड़ा अंतर है।

इधर, जवाद के महू में बने मकान को अवैध घोषित कर दिया गया है। इसके साथ ही 3 दिन का अल्टीमेटम दिया गया है। उसके बाद कैंट बोर्ड सख्ती के साथ इसे हटाने की कार्रवाई करेगा।

दूसरी तरफ, अल-फलाह यूनिवर्सिटी में काम करने या पढ़ाई करने वाले 10 लोग लापता हैं। इनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है। इनमें 3 कश्मीरी हैं। उनके फोन बंद आ रहे हैं। जम्मू-कश्मीर और हरियाणा पुलिस इन्हें खोजने में जुटी है।

रॉबर्ट वाड्रा पर ED ने कसा शिकंजा

नई दिल्ली. विपक्ष के नेता राहुल गांधी के जीजा और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति और बिजनेसमैन रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ ED ने फिर शिकंजा कस दिया है। ED ने ब्रिटेन में रह रहे हथियार कारोबारी संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ प्रॉसिक्यूशन कंप्लेंट (चार्जशीट) फाइल की है। ED ने संजय भंडारी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में रॉबर्ट वाड्रा को नौवां आरोपी बनाया है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

नेपाल में एक बार फिर बवाल

- सड़क पर उतरे Gen-Z; लग गया कर्फ्यू

काठमांडू. भारत से सटे नेपाल के बारा जिले के कुछ इलाकों में 'जेन-जी' युवाओं और पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल के कार्यकर्ताओं के बीच हुई हिंसक झड़प के बाद बुधवार को कर्फ्यू लगा दिया गया। बारा जिला प्रशासन ने बताया कि सिमरा हवाई अड्डे के 500 मीटर के दायरे में दोपहर 12:30 बजे से रात 8 बजे

तक कर्फ्यू रहेगा। दरअसल, सैकड़ों 'जेन-जी' युवा वहां नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) यानी सीपीएन-यूएमएल के खिलाफ नारे लगाते हुए जमा हो गए थे।

बताया जा रहा है कि गुरुवार को भी प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए। सुबह से ही सिमरा की सड़कों पर लोग जमा होने लगे और पुलिस के साथ उनकी झड़पें शुरू हो गईं। इस घटना के बाद प्रशासन ने स्थिति को काबू में करने के लिए दोपहर 1 बजे से रात 8 बजे तक कर्फ्यू लगा दिया है। सहायक मुख्य जिला अधिकारी छविराम सुबेदी ने न्यूज एजेंसी एएनआई को फोन पर बताया कि पुलिस के साथ झड़प होने के बाद स्थिति नियंत्रण से बाहर हो रही थी, इसलिए फिर से कर्फ्यू लगाना पड़ा।

जब बुद्धिजीवी आतंकवादी बन जाते हैं तो और खतरनाक हो जाते हैं

- दिल्ली दंगों पर SC से बोली पुलिस

नई दिल्ली. दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में 2020 में हुए राष्ट्रीय राजधानी में दंगों के मामले में सुनवाई के दौरान 'बुद्धिजीवी आतंकवादियों' पर बड़ी बात कही। पुलिस ने कहा कि जब बुद्धिजीवी आतंकी बनते हैं तो अन्य आतंकवादियों से ज्यादा खतरनाक हो जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को कई सालों से जेल में बंद उमर खालिद, शरजील इमाम की जमानत याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान, दिल्ली पुलिस ने लाल किला ब्लास्ट और व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल के भंडाफोड़ का जिक्र किया। पुलिस ने कहा कि एक नैरेटिव बनाया जा रहा है कि ये सब बुद्धिजीवी हैं और परेशान किया जा रहा है। ऐसा नहीं है, बुद्धिजीवी कई गुना ज्यादा खतरनाक होते हैं।

दिल्ली पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट से कहा, "जब बुद्धिजीवी आतंकवादी बन जाते हैं तो वे जमीनी स्तर पर काम करने वाले आतंकवादियों से अधिक खतरनाक हो जाते हैं। सीएए का विरोध प्रदर्शन सिर्फ दिखावा और सच्चाई पर पर्दा डालने का प्रयास था, असली मकसद सत्ता परिवर्तन और अर्थव्यवस्था का गला घोंटना था।"

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली पुलिस की ओर से पेश हुए एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि एक ट्रेंड सामने आया है जिसमें बुद्धिजीवी सरकारी फंडिंग का इस्तेमाल डॉक्टर और इंजीनियर बनने और फिर देश विरोधी कामों में शामिल होने के लिए कर रहे हैं।

एसवी राजू ने दिल्ली दंगों के समय दिए गए शरजील इमाम के उस वीडियो को भी कोर्ट के सामने दिखाया, जिसमें उसने कहा था कि कोर्ट को उसकी नानी याद आ जाएगी, कोर्ट आपका हमदर्द नहीं है। इस पर राजू ने कहा कि यह इंजीनियरिंग ग्रेजुएट है। ये अपने प्रोफेशन के लिए काम नहीं कर रहे, बल्कि देश विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं।

एएसजी राजू ने कहा कि मैं इस बात से पीछे नहीं हट रहा हूं कि मैंने पूरा टेप नहीं दिखाया, क्योंकि यह बहुत लंबा है। शरजील का कहना है कि यह कोई मामूली धरना या विरोध नहीं है। वह कहता है कि यह एक हिंसक विरोध है और आपको असम को भारत से अलग कर देना चाहिए। इस पर जस्टिस कुमार कहते हैं कि मुझे नहीं लगता कि उसने रॉड का हिंसक इस्तेमाल किया है। इस पर एएसजी राजू ने कहा कि शरजील का वीडियो में कहना है कि लाठियां वगैरह ले लेनी चाहिए। यह चार देशों का मामला है। बांग्लादेश, नेपाल वगैरह का। वह चिकन नेक का भी जिक्र करता है। वह मुसलमानों को भड़काने का काम करता है।

शायद नतीजा बेहतर होता

- प्रशांत किशोर ने मान ली बिहार चुनाव में अपनी एक गलती

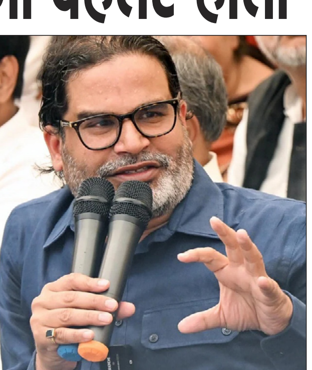

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव में एक भी सीट हासिल न करने वाले प्रशांत किशोर ने अपनी एक गलती स्वीकार की है। उन्होंने कहा कि मैंने खुद इस चुनाव में उतरने का फैसला नहीं लिया और इसे मेरी गलती माना जा सकता है। उन्होंने कहा कि मैंने उम्मीद नहीं की थी कि मेरी पार्टी को 4 फीसदी से भी कम वोट हासिल होंगे। उन्होंने कहा कि हमें संतोषजनक नतीजे हासिल करने के लिए शायद और अधिक मेहनत करने की जरूरत थी। हमने सोचा भी नहीं था कि 4 फीसदी से भी कम वोट जनसुराज पाएगी। उन्होंने बुधवार कहा कि हम भविष्य में मेहनत करते रहेंगे और आगे की चुनावी लड़ाई के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं।

प्रशांत किशोर ने एक इंटरव्यू में कहा कि मैं बिहार के लोगों का दिल जीते बिना पीछे नहीं हट सकता। मुझे बिहार की समस्याओं को हल करना है और इसका मैंने संकल्प लिया है। हालांकि मैं यह नहीं जानता हूं कि इसमें कितना समय लगने वाला है। इससे पहले प्रशांत किशोर चुनावी हार के बाद कई दिन तक चुप्पी साधे रहे थे। फिर वह मंगलवार को मीडिया के सामने आए तो तमाम सवालों का जवाब करना पड़ा था। इस पर उनसे पहला सवाल ही हुआ कि क्या वह अब जिम्मेदारी छोड़ देंगे। इस पर उन्होंने कहा कि आखिर मैं किस पद पर हूं कि छोड़ दूं।

प्रशांत किशोर ने कहा कि जहां तक राजनीति से संन्यास लेने की बात है तो जेडीयू वास्तव में 25 सीट भी नहीं जीतती, यदि चुनाव से पहले 10 हजार रुपये वाली स्कीम ना लेकर आते। इसके अलावा 6 महीने में इन्होंने स्वरोजगार के लिए 2 लाख रुपये देने का भी ऐलान किया है।

अब यदि 6 महीने के अंदर नीतीश कुमार सरकार ऐसा कर देती है तो हम राजनीति छोड़ देंगे। प्रशांत किशोर ने 2 अक्तूबर 2022 में जनसुराज की शुरुआत की थी और तब से लगातार बिहार में कभी पदयात्रा तो कभी विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने जैसी तमाम गतिविधियों में वह शामिल रहे हैं। इसके अलावा चुनाव में भी वह खासे सक्रिय रहे थे और जमकर कैंपेन भी किया था।

शुभमन गिल दूसरे टेस्ट से हो सकते हैं बाहर

- मेडिकल टीम ने अनफिट बताया
- गर्दन में खिंचाव के कारण पहला मैच बीच में छोड़ा था

टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल साउथ अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से बाहर हो सकते हैं। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उनकी गैर मौजूदगी में ऋषभ पंत कप्तानी करेंगे। यह निर्णय भारत के लिए एक बड़ा नुकसान माना जा रहा है, क्योंकि टीम इंडिया कोलकाता में पहला टेस्ट हार चुकी है। ऐसे में 22 से 26 नवंबर के बीच गुवाहाटी में खेला जाने वाला दूसरा टेस्ट बेहद महत्वपूर्ण था। गिल को कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन, 15 नवंबर को गर्दन में खिंचाव हो गया था। दिन का खेल समाप्त होने के बाद उन्हें जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों की निगरानी में एक दिन रखने के बाद उन्हें 16 नवंबर को डिस्चार्ज कर दिया गया था।

BCCI ने गिल की चोट पर अपडेट दिया था

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने बुधवार को जारी हेल्थ अपडेट में कहा था कि शुभमन गिल तेजी से रिकवर कर रहे हैं। वे 19 नवंबर को टीम के साथ गुवाहाटी जाएंगे और मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखेगी। दूसरे टेस्ट में उनकी उपलब्धता को लेकर अंतिम फैसला बाद में लिया जाएगा।

कोलकाता टेस्ट में भारत की पहली पारी के दौरान रिटायर हुए शनिवार को गिल कोलकाता टेस्ट की पहली पारी में वॉशिंगटन सुंदर के आउट होने के बाद बैटिंग करने उतरे थे। उन्होंने साइमन हार्मर की पहली दो बॉल पर कोई रन नहीं बनाया। इसके बाद तीसरी बॉल पर चौका लगाकर अपना खाता खोला, इसी दौरान स्वीप खेलने के प्रयास में उनकी गर्दन में परेशानी हुई। इसके बाद फिजियो आए और गिल उनके साथ मैदान से बाहर चले गए। वे भारतीय पारी में महज 4 रन ही बना सके।

अमेरिका भारत को 100 टैंक किलर मिसाइल देगा

- टारगेट की गर्मी पहचानकर हमला करती है

नई दिल्ली. अमेरिका भारत को 100 जेवलिन मिसाइल सिस्टम (FGM-148) और 216 एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल स्मार्ट तोपगोला (M982A1) बेचेगा। इनके लिए दोनों देशों के बीच में 92.8 मिलियन डॉलर (करीब 775 करोड़ रुपए) की डील हुई है।

अमेरिकी रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी (DSCA) ने बुधवार को बताया कि इस बिक्री के लिए जरूरी मंजूरी और डिटेल्स अमेरिकी संसद कांग्रेस को भेज दी गई है। DSCA ने कहा- हथियार भारत को मौजूदा और भविष्य के खतरों से निपटने में मदद करेंगे।

DSCA बोला- भारत की रक्षा क्षमता मजबूत होगी

डील को मंजूरी देते हुए DSCA ने कहा कि यह बिक्री भारत जैसे महत्वपूर्ण रक्षा साझेदार की सुरक्षा को और मजबूत करेगी। इससे भारत की वर्तमान और भविष्य की खतरों से निपटने की क्षमता बढ़ेगी। साथ ही बताया कि हथियार भारत की होमलैंड सिक्योरिटी को मजबूत करेगी और क्षेत्रीय खतरों को रोकने में मदद करेगी। भारत के लिए इन उपकरणों को अपनी सेना में शामिल करना आसान होगा। इससे दक्षिण एशिया और इंडो-पैसिफिक एरिया में सैन्य संतुलन नहीं बदलेगा।

FGM-148 जेवलिन एक पोर्टेबल एंटी-टैंक मिसाइल है। इसे टैंकों, बख्तरबंद वाहनों, बंकरों को नष्ट करने के लिए बनाया गया है। मिसाइल टारगेट की गर्मी (हीट सिग्नेचर) पहचानकर उसपर हमला करती है। इसकी 2500 मीटर रेंज है। धुएं, धूल या खराब मौसम में भी टारगेट को तबाह करने में सक्षम है।

M982A1 GPS-गाइडेड स्मार्ट गोला है। यह स्मार्ट बम की तरह काम करता है, लेकिन तोप से छोड़ा जाता है। सामान्य तोप रेंज 15-20 km तक होती है, लेकिन एक्सकैलिबर 40-50 किलोमीटर दूर तक सटीक निशाना लगा सकता है।

Google CEO का बड़ा खुलासा, बताया-

AI में इतना पावर है, छीन सकता है मेरी नौकरी भी

नई दिल्ली. Google के CEO सुंदर पिचाई ने हाल ही में एक बड़ी दिलचस्प बात कही। उन्होंने कहा कि AI इतना तेज हो रहा है कि एक दिन CEO की नौकरी भी मशीन कर सकती है। यह सुनकर हर कोई चौंक गया, क्योंकि कंपनी चलाना आसान काम नहीं होता। पिचाई का कहना है कि AI सिर्फ छोटे-मोटे काम नहीं करेगा, बल्कि आने वाले समय में कंपनियों के लिए बड़े फैसले भी ले सकता है। उन्होंने कहा कि कुछ काम ऐसे होते हैं जो नियमों पर चलते हैं जैसे रिपोर्ट पढ़ना, डेटा समझना, प्लान बनाना और फैसले लेना। और यह सब काम AI पहले से ही बहुत अच्छी तरह कर सकता है। उन्होंने कहा कि अगले 12 महीनों में AI इतना तेज हो जाएगा कि वह इंसानों की तरफ से कई "जटिल काम" खुद कर देगा। यानी आपको सिर्फ बोलना होगा और AI आपके लिए पूरा टास्क कर देगा। अब सवाल उठता है कि क्या ये अच्छी बात है या खराब? पिचाई का कहना है कि AI नई नौकरियां भी बनाएगा, लेकिन कुछ नौकरियां खत्म भी होंगी।

SIR-भारत से रोज 150 अवैध बांग्लादेशी लौट रहे

BSF का दावा- बंगाल के 3 जिलों की बॉर्डर पर संख्या अचानक बढ़ी, इनके पास दस्तावेज नहीं

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर तैनात BSF ने दावा किया है कि बॉर्डर पार करने की कोशिश करने वाले अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ गई है, यह वापसी राज्य में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) से जुड़ी है।

BSF के एक अधिकारी के मुताबिक नॉर्थ 24 परगना, मुर्शिदाबाद और मालदा में बॉर्डर के बिना फेंसिंग वाले हिस्सों से लौटने की कोशिश कर रहे बांग्लादेशी इमिग्रेंट्स के फ्लो में क्वांटम जंप देखा गया है।

न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक

BSF अधिकारी ने बताया कि पहले, ऐसे मामले मुश्किल से डबल डिजिट में आते थे। अब यह आंकड़ा हर दिन लगातार तीन डिजिट में है।

बॉर्डर पर तैनात BSF के जवानों ने कहा कि चेक पोस्ट पर छोटे बैग और सामान लेकर लोगों की लाइन लग रही है, जो खुलेआम मान रहे हैं कि वे बांग्लादेशी हैं और सालों पहले गैर-कानूनी तरीके से भारत में आए थे। अवैध बांग्लादेशियों की अचानक बढ़ोतरी से BSF और स्टेट पुलिस पर प्रेशर बढ़ गया है, जिन्हें बॉर्डर के दोनों तरफ हर पकड़े गए व्यक्ति का बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन, पूछताछ और क्रिमिनल बैकग्राउंड चेक करना होता है।

चुनाव आयोग ने 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 51 करोड़ वोटरों में से 50.35 करोड़ से ज्यादा लोगों को वोटर लिस्ट के चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के तहत गिनती के फॉर्म मिल गए हैं।

संक्षेप...

छात्र ने की आत्महत्या

कल्याण. कल्याण में 19 साल के एक छात्र ने आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक, यहां लोकल ट्रेन में मराठी भाषा न बोल पाने को लेकर हुए विवाद के बाद कुछ लोगों ने कथित तौर पर उसके साथ मारपीट की थी।

इस घटना से छात्र इतना परेशान हो गया कि उसने कल्याण पूर्व स्थित घर पर आत्महत्या कर ली। अधिकारियों ने बताया कि अर्नव लक्ष्मण खैरे नाम का यह छात्र विज्ञान संकाय का प्रथम वर्ष का छात्र था।

मेट्रो-3 में दिव्यांग यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत

■ 23 नवंबर से 25% किराया होगा माफ

मुंबई. मुंबई में कफ परेड से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) तक अंडरग्राउंड मेट्रो लाइन-3 का पूरा रूट शुरू हो गया है। इस रूट पर यात्रियों का जबरदस्त रिस्पांस मिल रहा है। यात्रियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यह अंडरग्राउंड मेट्रो कई लोगों के लिए फायदेमंद है। इसने यात्रा को आरामदायक बनाने के साथ-साथ समय की भी बचत हो रही है। मुंबई मेट्रो ने दिव्यांग यात्रियों के किराए 25 फीसदी छूट देने का ऐलान किया है। यह छूट 23 नवंबर से लागू हो जाएगी।

इससे पहले नवंबर महीने के शुरुआत में दिव्यांग यात्रियों के दबाव में मुंबई मेट्रो लाइन 3 ने दिव्यांग यात्रियों के किराए में छूट देने का ऐलान किया था। इसके साथ ही मेट्रो प्रशासन ने कहा था कि वो 10 दिन के भीतर छूट लागू कर देंगे। समय सीमा खत्म होने के बाद भी मुंबई मेट्रो ने दिव्यांग यात्रियों के किराए में छूट नहीं दी थी। ऐसे में मुंबई के वरिष्ठ पत्रकार और समाज सेवी दीपक कैतके ने किराए में छूट जल्द लागू करने की मांग की, जिसके बाद मेट्रो प्रशासन ने 23 नवंबर से छूट देने का ऐलान कर दिया है।

अंतिम चरण में चल रहा है परीक्षण

मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के एक अधिकारी ने कहा कि दिव्यांग यात्रियों के लिए घोषित 25 फीसदी की छूट अंतिम परीक्षण चरण में है। उन्होंने कहा कि परीक्षण पूरा होने के बाद यह छूट रविवार, 23 नवंबर से लागू हो जाएगी। इस पहल का मकसद दिव्यांग सहित सभी यात्रियों को एक अधिक समावेशी यात्रा का अनुभव प्रदान करना है। वहीं पत्रकार और समाजसेवक दीपक कैतके ने किराए में 50 फीसदी छूट की मांग की है।

'महामेट्रो' दिसंबर तक मीरा-भायंदर की सेवा में होगी शामिल

■ परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक का दावा

मुंबई. इस साल दिसंबर के आखिर तक दहिसर से काशीमीरा रूट पर मेट्रो शुरू करने का प्लान है और यह मीरा-भायंदर के लोगों के लिए खुशी का पल होगा। 14 साल की कोशिश कामयाब हो रही है और मीरा-भायंदर के लोगों का सपना पूरा हो रहा है. परिवहन मंत्री प्रताप सरनाइक ने दहिसर से काशीमीरा तक मेट्रो रूट का इंस्पेक्शन करते समय उक्त विचार व्यक्त किए. उनके साथ 'महामेट्रो' के सुपरिटेंडेंट इंजीनियर और उनकी टेक्निकल कंसल्टेंट कॉन्ट्रैक्टर टीम मौजूद थी।

सरनाइक ने कहा कि जब वे 2009 में इस इलाके के जन प्रतिनिधि चुने गए थे, तो उन्होंने इस इलाके के लोगों को मेट्रो का सपना दिखाया था। पिछले 14 सालों से लगातार की जा रही कोशिश आखिरकार कामयाब होती दिख रही है। 2014 में, उस समय के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और शहरी विकास मंत्री एकनाथ शिंदे के सहयोग से दहिसर से काशीमीरा मेट्रो प्रोजेक्ट के काम को तेज़ी मिली थी।

मुंबई पुलिस ने भेजा ओरी को समन

■ 252 करोड़ रुपये के ड्रग्स केस में होगी पूछताछ

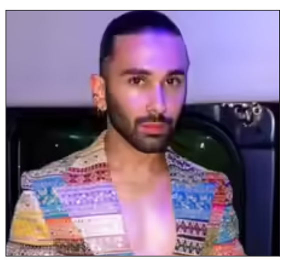

मुंबई. सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरहान अवत्रमणि उर्फ ओरी विवादों में घिरते हुए नजर आ रहे हैं। दरअसल, मुंबई पुलिस ने उन्हें 252 करोड़ के ड्रग्स केस में समन भेजा है। ये समन एंटी-नारकोटिक्स सेल की तरफ से जारी किया गया है। बता दें कि अब उन्हें आज 20 नवंबर को सुबह 10 बजे एंटी-नारकोटिक्स सेल की घाटकोपर यूनिट के सामने पूछताछ के लिए पेश होना है।

फिलहाल इस मामले में अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है और न ही ओरी की तरफ से इसपर कोई रिएक्शन सामने आया है। बता दें कि ओरी इंडस्ट्री के फेमस नामों में से एक हैं। उनके बॉलीवुड के कई स्टार्स के साथ काफी अच्छे रिश्ते हैं।

कौन हैं ओरहान अवत्रमणि उर्फ ओरी?

ओरी सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर होने के साथ-साथ फिल्मी सितारों और स्टारकिड्स के बेहद करीबी दोस्तों में से एक हैं। वह अक्सर बॉलीवुड की बड़ी-बड़ी पार्टियों और सितारों के साथ पार्टी करते हुए, घूमते हुए नजर आते हैं। साथ ही उन्हें सारा अली खान, जान्हवी कपूर, खुशी कपूर के साथ मस्ती करते हुए देखा जाता है। ओरी इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव रहते हैं और वहां अपनी पर्सनल-प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी चीजें शेयर करते रहते हैं।

वैष्णों देवी में शराब पार्टी कर बटोरी थीं सुर्खियां

यह पहला मामला नहीं है, जब ओरी किसी ऐसे में मामले में हाईलाइट हुए हैं। इससे पहले जब वह अपने दोस्तों के साथ वैष्णों देवी गए थे, तो उन्होंने वहां पर होटल में शराब पार्टी की थी। उस समय पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ओरी समेत 7 से ज्यादा लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज की थी। अब एक बार फिर वह विवादों में घिर गए हैं और अब पुलिस ही पूछताछ के बाद खुलासा कर पाएगी कि क्या ओरी इस मामले में आरोपी हैं या नहीं।

90 करोड़ की ठगी

मुंबई. मुंबई पुलिस की इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने प्रोवोग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर की शिकायत पर एक रेज़ोल्यूशन प्रोफेशनल, प्रोवोग के पूर्व डायरेक्टर, कुछ पूर्व कर्मचारियों और कुछ क्लाइंट (कर्जदार) के खिलाफ केस दर्ज किया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि इस गिरोह ने उसके साथ 90 करोड़ की ठगी की है। इकोनॉमिक ऑफेंस विंग ने 90 करोड़ के स्कैम प्रोवोग लिक्विडेशन केस में चार लोगों पर केस दर्ज किया रेज़ोल्यूशन प्रोफेशनल वह व्यक्ति होता है जो किसी कॉर्पोरेट कर्जदार के इन्सॉल्वेंसी रेज़ोल्यूशन प्रोसेस को चलाता है और पूरे प्रोसेस के दौरान उनके ऑपरेशन को मैनेज करता है।

गुटखा के अवैध खेल पर लगेगा ब्रेक

■ मकोका लगाने की तैयारी में महाराष्ट्र सरकार

मुंबई. महाराष्ट्र के खाद्य एवं औषधि प्रशासन (FDA) मंत्री नरहरि जिरवाल ने कहा है कि राज्य सरकार गुटखा की उपलब्धता को सीमित करने के लिए महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम (मकोका) लागू करने पर विचार कर रही है। राज्य में गुटखा पहले से ही प्रतिबंधित है। एफडीए मंत्री ने मंगलवार को कहा कि गुटखा के निर्माण और बिक्री पर मौजूदा प्रतिबंध के बावजूद तंबाकू युक्त उत्पाद की अवैध खेप बाहर से राज्य में आ रही है, जिससे छात्रों और युवाओं को नुकसान हो रहा है।

गुटखा प्रतिबंध अधिक सख्ती से होगा लागू

मंगलवार को जारी बयान के अनुसार, विधि एवं न्याय विभाग को एक प्रस्ताव भेजा जाएगा जिसमें मार्गदर्शन मांगा जाएगा कि क्या अवैध गुटखा व्यापार के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ मकोका के तहत अपराध दर्ज किया जा सकता है? जिरवाल ने मंत्रालय में आयोजित एक बैठक में कहा कि राज्य सरकार गुटखा प्रतिबंध को और अधिक सख्ती से लागू करेगी और अधिकारियों को विभिन्न विभागों के माध्यम से जिला स्तर पर कैंसर पैदा करने वाले इस उत्पाद के खिलाफ जागरूकता अभियान संचालित करने का निर्देश दिया गया है।

■ गुटखा एवं पान मसाला बिक्री के मामले

मंत्री के कार्यालय से जारी एक बयान में जिरवाल के हवाले से कहा गया है कि राज्य सरकार गुटखा कंपनियों के मालिकों, प्रमुख संचालकों और इस अवैध व्यापार के पीछे के सूत्रधारों के खिलाफ मकोका का इस्तेमाल करने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में गुटखा एवं पान मसाला के परिवहन और बिक्री की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

कैंसर की जांच के लिए मोबाइल कैंसर डायग्नोस्टिक वैन

ठाणे. ठाणे जिले में कैंसर का जल्दी पता लगाने और लोगों को तुरंत इलाज के लिए बढ़ावा देने के मकसद से जिला प्रशासन द्वारा शुरू की गई कैंसर डायग्नोस्टिक वैन पहल जिले में बहुत सफल साबित हो रही है। 3 नवंबर से 29 नवंबर, 2025 तक तय तालुकाओं में शुरू इस वैन को स्थानीय लोगों से बहुत अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

यह पहल जिला कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर मनोज रानाडे के मार्गदर्शन में पूरे जिले में लागू की जा रही है। चूंकि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का समय पर पता चलना बहुत ज़रूरी है, इसलिए वैन का मकसद ग्रामीण और शहरी इलाकों में आम आदमी को मुफ्त और आसान स्क्रीनिंग देना है। कैंसर डायग्नोस्टिक वैन के ज़रिए जिन मुख्य कैंसर की जांच की जा रही है, वे हैं ओरल कैंसर, ब्रेस्ट कैंसर और सर्वाइकल कैंसर।

डिस्ट्रिक्ट सर्जन डॉ. कैलाश पवार और डिस्ट्रिक्ट हेल्थ ऑफिसर डॉ. गंगाधर पारगे ने बताया कि वैन में कैंसर स्क्रीनिंग के लिए मॉडर्न इक्विपमेंट लगे हैं और ट्रेंड मेडिकल टीम रेगुलर चेक-अप करती है। वैन अभी तय प्रोग्राम के हिसाब से कल्याण, भिवंडी, अंबरनाथ, मुरबाद, शाहपुर तालुका में घूम रही है। लोकल प्राइमरी हेल्थ सेंटर, सब-डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल, मेडिकल ऑफिसर, आशा वर्कर और हेल्थ वर्कर के साथ मिलकर लोगों में जागरूकता फैलाई जा रही है। लोगों को समय-समय पर तारीख और जगह के बारे में बताया जा रहा है और बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी बढ़ रही है।

3 नवंबर से अब तक कुल 2,975 लोगों की स्क्रीनिंग की गई है, और 28 संदिग्ध पाए गए हैं। स्क्रीनिंग के दौरान मिले संदिग्ध मरीज़ों को तुरंत आगे की जांच और सही इलाज के लिए संबंधित मेडिकल इंस्टीट्यूशन में भेज दिया गया है।

कल्याण में मीटर से चलने लगी रिक्शा

■ अधिक किराया वसूली से मिलेगी मुक्ति

कल्याण. यात्रियों की ओर से अत्यधिक किराया वसूलने की शिकायतें बढ़ गई और यात्रियों द्वारा मीटर के अनुसार किराया वसूलने की मांग पर कल्याण उप-क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय ने मंगलवार सुबह से मीटर के अनुसार किराया वसूलना शुरू कर दिया है।

कल्याण में पहले मीटर वाले रिक्शा की व्यवस्था नहीं थी, हर जगह केवल शेयर रिक्शा ही चलते थे। अगर कोई यात्री शेयर रिक्शा वाले स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर जाना चाहता था, तो रिक्शा चालक अपनी इच्छानुसार किराया वसूल रहे थे। इसी क्रम में, कल्याण स्टेशन पर मीटर वाले रिक्शा की व्यवस्था शुरू हो गई है और मीटर वाली कतार शुरू कर दी गई है। साथ ही, शेयर रिक्शा से यात्रा करने वालों के लिए भी पहले की तरह कतार लगाने की योजना है। आरपीआई, भाजपा-नीत और तीन-चार अन्य रिक्शा चालक-मालिक संघ कल्याण में काम कर रहे हैं. उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि यात्री स्टेशन से मीटर के हिसाब से यात्रा करेंगे, लेकिन वहाँ से वापस आते समय शेयर रिक्शा में स्टेशन तक जाएँगे, जिससे रिक्शा चालकों को आर्थिक नुकसान होगा।

> कल्याण स्टेशन से केवल एक कतार मीटर किराया प्रणाली पर होगी और हमने स्टेशन क्षेत्र में जगह-जगह बैनर लगा दिए हैं और अगले एक पखवाड़े तक हमारे प्रतिनिधि सुबह और शाम अपने कार्यालय से यहाँ खड़े होकर यात्रियों से मीटर के हिसाब से रिक्शा से यात्रा करने की अपील करेंगे। अगले कुछ दिनों में हम शहर में कई जगहों पर मीटर के हिसाब से रिक्शा कतारें शुरू करेंगे। हम यात्रियों के लिए आसान और सुरक्षित यात्रा के बारे में जागरूकता पैदा करेंगे। हमने अपील की है कि अगर रिक्शा चालक मीटर के हिसाब से यात्रा करने से इनकार करता है तो व्हाट्सएप नंबर 9423448824 पर शिकायत करें।
>
> – **प्रशांत सूर्यवंशी**, अधिकारी, क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, कल्याण

सेंट्रल अस्पताल में गुटखा, शराब के खिलाफ कार्रवाई

■ दवाओं के पैकेट में छिपाई गई शराब पकड़ी गई

उल्हासनगर. उल्हासनगर के सरकारी सेंट्रल अस्पताल प्रशासन द्वारा लागू किया गया सख्त अनुशासन अब हकीकत में दिखने लगा है। सुरक्षाकर्मियों ने अस्पताल परिसर में गुटखा, तंबाकू, राजनिवास, बीड़ी, सिगरेट और यहाँ तक कि शराब का सेवन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है। गेट और इलाके में नियमित गश्त के दौरान कई लोग नशीले पदार्थों का सेवन करते हुए रंगे हाथों पकड़े गए हैं और कुछ ने दवाइयों के पैकेट में शराब छिपाने की भी कोशिश की है। इन सभी मामलों को देखते हुए प्रशासन ने अब और भी सख्त कदम उठाने की तैयारी दिखाई है।

अस्पताल प्रशासन के आदेशानुसार, इलाके में किसी भी तरह का नशीला पदार्थ रखने, सेवन करने या लाने पर पूर्ण प्रतिबंध है। हालाँकि, यह देखा गया कि कुछ मरीजों के परिजन इन नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। कुछ ने गुटखा या तंबाकू छिपाकर प्रवेश करने की कोशिश की, तो कुछ ने दवाइयों के पैकेट में शराब की बोतलें ले जाने की कोशिश की। हालाँकि, सुरक्षाकर्मियों की सतर्कता के कारण समय रहते इन घटनाओं को रोक दिया गया। गेट और इलाके में चौबीसों घंटे गश्त करने वाले सुरक्षा गार्डों ने पिछले कुछ दिनों में ऐसी कई घटनाओं का पर्दाफ़ाश किया है। कुछ को तुरंत चेतावनी देकर छोड़ दिया गया, जबकि अन्य के ख़िलाफ़ प्रशासनिक रिपोर्ट तैयार की गई है और दंडात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। इस कार्रवाई से अस्पताल परिसर में अनुशासन और भय का माहौल बना है और नागरिकों में इस अभियान को लेकर सकारात्मक प्रतिक्रिया देखी जा रही है। इस कार्रवाई से न केवल अनुशासन बना है, बल्कि अस्पताल परिसर में एक स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण भी बना है। मरीज़ों और उनके परिजनों में 'अस्पताल स्वास्थ्य का मंदिर है' की भावना भी मज़बूत हो रही है। अस्पताल प्रशासन ने भविष्य में भी इस अभियान को जारी रखने का फ़ैसला किया है.

अस्पताल अधीक्षक की कड़ी चेतावनी

अस्पताल अधीक्षक डॉ. मनोहर बनसोडे ने कहा, 'अस्पताल आने वाले हर नागरिक को यह याद रखना चाहिए कि यहाँ आने वाला हर व्यक्ति इलाज या सेवा के लिए आता है, नशा करने के लिए नहीं। अगर अस्पताल परिसर में किसी भी तरह का नशा या उससे जुड़े पदार्थ पाए जाते हैं, तो सीधे पुलिस के ज़रिए कार्रवाई की जाएगी।'

ताम्हिनी घाट में 400 फुट गहरी खाई में गिरी एसयूवी, 6 लोगों की दर्दनाक मौत

पनवेल. रायगढ़ जिले के ताम्हिनी घाट इलाके में एक एसयूवी के 400 फुट गहरी खाई में गिरने से छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने जानकारी दी है और बताया है कि रायगढ़ जिले के तमहिनी घाट पर पिकनिक मनाने गए छह युवकों की एक एसयूवी के 400 फीट गहरी खाई में गिरने से मौत हो गई। हालांकि यह दुर्घटना मंगलवार तड़के हुई, लेकिन पुलिस को गुरुवार सुबह ही इसकी सूचना मिली। एक अधिकारी ने बताया कि ड्रोन कैमरे की मदद से वाहन का पता लगाया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि 18 से 22 साल की उम्र के ये सभी पीड़ित पुणे से थार एसयूवी में सवार होकर निकले थे।

एसएसटी कॉलेज की 'ड्रामानॉमिक्स' टीम की राज्य स्तरीय कला उत्सव में चमकदार सफलता

■ शासन की ओर से महाविद्यालय का सम्मान

उल्हासनगर. उल्हासनगर-4 स्थित एसएसटी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स की संजीवनी सांस्कृतिक समिति अंतर्गत कार्यरत 'ड्रामेनॉमिक्स' टीम ने राज्य स्तरीय कला उत्सव 2025-26 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रभावशाली अभिनय, भावपूर्ण प्रस्तुति और दमदार निर्देशन के बल पर टीम ने कांस्य पदक हासिल कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया।

यह स्पर्धा महाराष्ट्र राज्य शैक्षणिक संशोधन और प्रशिक्षण परिषद (SCERT) द्वारा आयोजित की गई थी। ठाणे जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए 'ड्रामेनॉमिक्स' के कलाकारों ने अपने श्रेष्ठ अभिनय कौशल से दर्शकों और निर्णायकों दोनों का मन जीत लिया।

नाटक का लेखन और निर्देशन श्री सदान जावरे ने किया, जबकि प्रो. सुदर्शन पाटिल ने विशेष मार्गदर्शन प्रदान किया। वैभवी रोकड़े, जनार्दन पवार, तुलसी तलवार और अरविंद मोरे के उत्कृष्ट और भावनात्मक अभिनय ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

एसएसटी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. पुरस्वानी ने टीम को बधाई देते हुए कहा, "हमारे विद्यार्थियों ने केवल अभिनय ही नहीं किया, बल्कि एक महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया — यह हमारे लिए अत्यंत गर्व की बात है।"

विजेता विद्यार्थियों का सम्मान करने के लिए एसएसटी कॉलेज के सभागार में पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। शासन की ओर से जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (DIET) के प्राचार्य डॉ. संजय वाघ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया और अपने कलागुणों के माध्यम से सपनों को साकार करने का प्रेरणादायी संदेश दिया। साथ ही महाविद्यालय द्वारा संचालित गतिविधियों की प्रशंसा भी की। इस समारोह में महाविद्यालय के प्राचार्य, उपप्राचार्य, प्राध्यापकगण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

एसएसटी कॉलेज परिवार ने 'ड्रामेनॉमिक्स' टीम को हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सोनम कपूर ने दूसरी प्रेग्नेंसी कंफर्म की

■ बेबी बंप के साथ स्टाइलिश अंदाज में फोटो शेयर किया

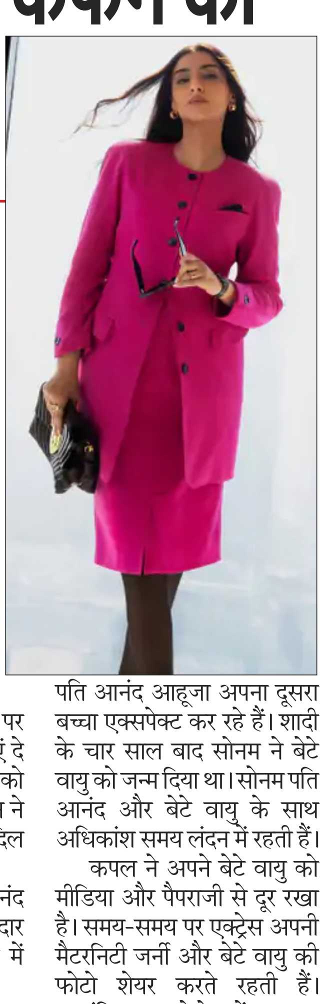

सोनम कपूर दूसरी बार मां बनने वाली हैं। एक्ट्रेस ने अपनी दूसरी प्रेग्नेंसी की खबर इंस्टाग्राम पर अनाउंस की है। सोनम ने अपने इंस्टाग्राम पर बेबी बंप के साथ कई फोटोज शेयर कर कैप्शन में लिखा- 'मदर'।

इस खास मौके के लिए सोनम ने मशहूर डिजाइनर मार्गरेथा लेय (Escada) का बनाया आउटफिट पहना है। एक्ट्रेस का हॉट-पिंक वूलन पैडेड सूट लुक प्रिंसेस डायना से इंस्पायर्ड है, जिसमें वो काफी स्टाइलिश भी लग रही हैं।

अब उनके इस पोस्ट पर सेलेब्स और फैंस शुभकामनाएं दे रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा ने एक्ट्रेस को बधाई दी है। करीना कपूर खान ने सोनम और आनंद लिख दो दिल बनाए हैं।

वहीं सोनम के पति आनंद आहूजा ने पोस्ट पर मजेदार रिएक्शन दिया है। वो कॉमेंट में लिखते हैं- 'डबल,ट्रबल'।

बता दें कि शादी के सात साल बाद सोनम और उनके बिजनेसमैन पति आनंद आहूजा अपना दूसरा बच्चा एक्सपेक्ट कर रहे हैं। शादी के चार साल बाद सोनम ने बेटे वायु को जन्म दिया था। सोनम पति आनंद और बेटे वायु के साथ अधिकांश समय लंदन में रहती हैं।

कपल ने अपने बेटे वायु को मीडिया और पैपराजी से दूर रखा है। समय-समय पर एक्ट्रेस अपनी मैटरनिटी जर्नी और बेटे वायु की फोटो शेयर करते रहती हैं। हालांकि, उन फोटोज में वायु का चेहरा रिवील नहीं होता है।

आम सूचना

हम श्रीमती चंद्रकला किशन चौगुले, श्रीमती ज्योति गुरुनाथ चौगुले व कु. प्रणव गुरुनाथ चौगुले सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम, धोबीघाट, शिवनेरी नगर, एमआयडीसी रोड, बिर्ला मंदिर के पीछे, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 03एओ014019200) उक्त प्रॉपर्टी श्री संदीप सिताराम सुर्वे के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 29.10.2025 सी.नं. 3607/2025 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती चंद्रकला किशन चौगुले
श्रीमती ज्योति गुरुनाथ चौगुले
व कु. प्रणव गुरनाथ चौगुले

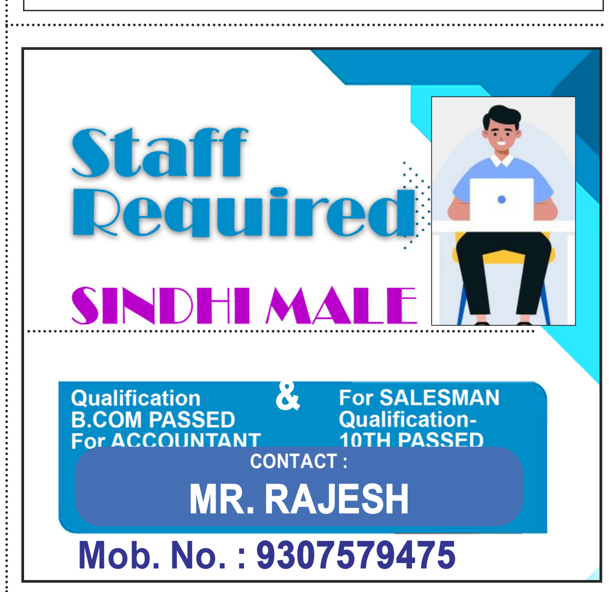

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099